संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 227
पृष्ठ 8
गुरूवार
08 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में ट्राई करें ४ लाइट कलर...

विचार- सिख दंगा: राहुल की स्वीकारोक्ति

खेल- प्लेऑफ के लिए कोलकाता को हर...

देश के लिए गर्व का पल : पीएम मोदी

भारतीय सेना की एयर स्ट्राइक का नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' प्रधानमंत्री मोदी ने चुना

नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार (7 मई) को कैबिनेट मीटिंग के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कैबिनेट सहयोगियों को पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। भारतीय सेना ने तय तैयारी के मुताबिक ऑपरेशन को अंजाम दिया। सभी कैबिनेट मंत्रियों ने पीएम मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया और कहा कि पूरा देश उनके साथ खड़ा है। बताया जा रहा है कि इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के लिए गर्व का पल है। कैबिनेट बैठक के बाद मोदी ने अमित शाह और राजनाथ सिंह के साथ अलग से मीटिंग की। भारतीय सशस्त्र बलों ने आज ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विस्तृत जानकारी दी। यह 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचे को ध्वस्त करने के लिए शुरू किया गया एक सटीक हमला अभियान है। भारतीय सशस्त्र बलों ने एक समन्वित अभियान में विशेष सटीक हथियारों का उपयोग करते हुए नौ आतंकी ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला किया, जिनमें बहावलपुर, मुरीदके और सियालकोट सहित पाकिस्तान में चार और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) में पांच शामिल हैं। भारत के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह कार्रवाई 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के सीधे जवाब में की गई, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। इस अभियान को भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया, जिसमें सेना और सैन्य बलों को शामिल किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरी रात ऑपरेशन सिंदूर पर लगातार नज़र रखे हुए थे। भारतीय सुरक्षा बलों ने भारत में आतंकवादी गतिविधियों को प्रायोजित करने में शामिल जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के शीर्ष नेताओं को निशाना बनाने के लिए स्थानों का चयन किया।

पहलगाम में महिलाओं की मांग का सिंदूर मिटाने वालों को कड़ा संदेश

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में आतंकियों ने मासूम पर्यटकों को निशाना बनाया था। जम्मू कश्मीर में आने वाले पर्यटक सबसे ज्यादा अपने हनीमून पीरियड में ही आते हैं। पहलगाम में आतंकियों ने मामूम पर्यटकों का धर्म पूछकर आदमियों को गोली मारी और उनकी पत्नियों या परिवार से कहा कि ये जाकर मोदी को बताओ। हिंदू धर्म में महिलाओं की मांग के सिंदूर का अर्थ उनके पति की लंबी उम्र की प्रर्थना के लिए होता है। महिलाए मांग में सिंदूर अपनी शादी की पहचान और अपने पति की निशानी के तौर पर लगाती हैं और इसी सिंदूर को पत्नियों के आगे आतंकियों ने गोली मारकर उजाड़ दिया था। पूरा देश बदले की आग में झुलस रहा था। आतंकवादियों ने इस बार सबसे दर्दनाक हमला किया था, जिसने भारतीय की आत्मा पर प्रहार किया था। पीएम मोदी से भी कसम खाई थी कि कल्पना से परे आतंकियों को सजा दी जाएगी। अब भारत ने एयर स्ट्राइक करके आतंकियों के ठिकानों को नष्ट कर दिया है। इस पूरे ऑपरेशन को ऑपरेशन सिंदूर का नाम दिया गया। इस नाम का चयन खुल भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। ऐसा सूत्र दावा कर रहे हैं। पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों के हमले का नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुना। सूत्रों ने कहा कि आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी जिनमें सभी पुरुष थे और अनेक मृतकों की पीड़ित पत्नियों को ध्यान में रखते हुए जवाबी अभियान के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम सबसे मुफ़ीद समझा गया। गत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में, भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा मुरीदके शामिल हैं।

मोदी ने राष्ट्रपति मुर्मु से मिलकर ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर उन्हें भारतीय सेनाओं द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए चलाये गये ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन सचिवालय ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर यह जानकारी देते हुए कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी।" इससे पहले प्रधानमंत्री ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की और केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति की बैठक में भी इस पर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकवादी हमले का करारा जवाब देते हुए भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 25 मिनट तक ताबड़तोड़ हमले कर नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।

सेना की बहादुरी को सलाम, हम सरकार के साथ : राहुल-खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद गुरुवार को होने वाली सर्वदलीय बैठक के लिए अपनी रणनीति पर चर्चा करने के लिए बुधवार दोपहर अपने वरिष्ठ नेतृत्व की एक तत्काल बैठक बुलाई। इस बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमें भारतीय सेना पर गर्व है। उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया है।

खड़गे ने कहा कि सेना की बहादुरी को सलाम है। हम सरकार के हर कदम के साथ है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, ''हमने कार्यसमिति में चर्चा की। हमारी सेनाओं को पूरा समर्थन। उन्हें शुभकामनाएं। उन्हें ढेर सारा प्यार। कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस कार्यसमिति की ओर से पूरा समर्थन। कांग्रेस बैठक के बाद खड़गे ने कहा कि हमें अपने सुरक्षा बलों पर गर्व है जिन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया और मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी शिविरों के खिलाफ साहसी और निर्णायक कार्रवाई के लिए हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। कांग्रेस ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई के बाद बुधवार को कहा कि उसे भारत के सशस्त्र बलों पर गर्व है और उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

पुंछ में पाकिस्तान की भारी गोलाबारी में 10 नागरिकों की मौत, 45 घायल

जम्मू/श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर मंगलवार रात पाकिस्तान की ओर से की गई भारी गोलीबारी में एक महिला और दो बच्चों समेत कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 45 अन्य घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि पाकिस्तान की ओर से रात भर की गई भारी गोलीबारी में पुंछ सेक्टर में एक महिला, दो बच्चों समेत दस लोगों की मौत हो गई और 45 घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सीमा पार से दागे गए मोर्टार शेल के घर में फटने से एक महिला की मौत हो गई जबकि उसकी 13 साल की बेटी घायल हो गई। सीमावर्ती जिला पुंछ पाकिस्तान की गोलाबारी से सबसे अधिक प्रभावित रहा। उन्होंने कहा, पुंछ सेक्टर के अन्य हिस्सों में करीब 14 लोग घायल हुए हैं और राजौरी के ठंडीकासी इलाके में दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की भारी गोलाबारी में कई घर और वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि मनकोट क्षेत्र के अलावा भारतीय सेना ने राजौरी

के कृष्णा घाटी, शाहपुर, लाम, मंजाकोट और गंभीर ब्राह्मणा क्षेत्रों में भी पाकिस्तानी सेना को मुंहतोड़ जवाब दिया। मृतकों की पहचान मोहम्मद आदिल, सलीम हुसैन, रूबी कौर, मोहम्मद जैन (10), मोहम्मद अकरम (55), अमरीक सिंह, रंजीत सिंह, जोया खान (12), मोहम्मद रफी और मोहम्मद इकबाल के रूप में हुई है। ये सभी पुंछ के निवासी हैं। इस बीच सेना ने कहा कि 6-7 मई की रात को पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर के सामने नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार चौकियों से गोलीबारी की। जम्मू के संभागीय आयुक्त कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मौजूदा स्थिति को देखते हुए जम्मू, सांबा, कठुआ, राजौरी और पुंछ में सभी स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थान आज (बुधवार) बंद रहेंगे। एक अधिकारी ने कहा, श्मौजूदा स्थिति के कारण जम्मू हवाई अड्डे को अगले नोटिस तक नागरिक उड़ानों के लिए बंद कर दिया गया है और यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाएं और उड़ान की स्थिति की जांच करें। कश्मीर के कुछ हिस्सों में बारामुल्ला, कुपवाड़ा और उरी से भी भारी गोलीबारी की रिपोर्टें है। स्थानीय लोगों ने कहा कि रात 11 बजे शुरू हुई भीषण गोलाबारी में कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। भारत ने पहलगाम हमले की पृष्ठभूमि में बुधवार तड़के पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के अंदर कई जगहों पर आतंकी ठिकानों पर हमला किया।

सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में 22 नक्सलियों को किया ढेर

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर की कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर जारी 'नक्सल उन्मूलन ऑपरेशन' के सोलहवें दिन बुधवार को सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली जब उन्होंने मुठभेड़ में 20 से 22 नक्सलियों के मारे जाने का दावा किया। इनमें से अब तक 18 नक्सलियों के शव बरामद किए जा चुके हैं। नक्सलियों के मूवमेंट की पुष्टि ड्रोन कैमरे से लिए फोटो में भी हो रही है। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के आखिरी गढ़ कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों पर जमा नक्सलियों को सुरक्षाबलो ने चौतरफा घेरे हुए हैं। इस ऑपरेशन पर दिल्ली से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक (डीजी) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह भी नजर बनाए हुए हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) (नक्सल ऑप्श) विवेकानंद सिन्हा, सीआरपीएफ के महानिरीक्षक (आईजी) राकेश अग्रवाल व बस्तर के आईजी पी. सुंदरराज भी मुठभेड़ की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उम्मीद है शाम तक जवान ऐतिहासिक सफलता की ओर बढ़ सकते हैं। नक्सलियों को उनके मांद में डीआरजी कोबरा, सीआरपीएफ और एसटीएफ़ के बहादुर जवान मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर': 25 मिनट में ताबड़तोड़ हमले

पाक और पीओके में आतंकवादियों के नौ ठिकाने ध्वस्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में निर्मम आतंकवादी हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को चुन चुन कर मारने के सरकार के संकल्प को पूरा करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में 25 मिनट तक ताबड़तोड़ हमले कर नौ आतंकवादी ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त कर आतंकवादियों के नेटवर्क की कमर तोड़ दी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री, सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में देश को छह और सात मई की दरमियानी रात को एक बज कर पांच मिनट से डेढ़ बजे तक चले 'ऑपरेशन सिंदूर' की जानकारी दी। ब्रीफिंग से पहले एक स्लाइड में बताया गया कि पाकिस्तान कई दशकों से आतंकवाद को बढावा दे रहा है और आतंकवादियों के हमलों में अब तक करीब 350 आम लोग और 600 से अधिक सुरक्षाकर्मी मारे गये हैं। ऑपरेशन सिंदूर में जिन नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया है उनमें से चार पाकिस्तान में और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में हैं। इन ठिकानों पर आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय, भर्ती , प्रशिक्षण केन्द्र और लांच पैड़ हैं। श्री मिस्री ने जोर देकर कहा कि बीती रात सीमापार की गई कार्रवाई नपी तुली, गैर उकसावे वाली एवं जिम्मेदाराना थी जिसका उद्देश्य आतंकवादी ढांचे को नेस्तनाबूद करना और आतंकवादियों को आगे किसी भी ऐसी हरकत के लिए अक्षम बनाना था। इस कार्रवाई में पाकिस्तान के किसी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया। इसमें निर्दोष लोगों की जान नहीं गयी और न ही उनकी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई 25 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पहलगाम हमले के बाबत जारी बयान की भावना के अनुरूप है।

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमित शाह ने बुलाई 9 राज्यों की बैठक

सीमा सुरक्षा को लेकर हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी शिविरों पर सैन्य हमले करने के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान और नेपाल के साथ सीमा साझा करने वाले राज्यों के साथ एक आपातकालीन बैठक बुलाई है।

शाह ने सभी सीमावर्ती राज्यों के मुख्यमंत्रियों, डीजीपी और मुख्य सचिवों से मुलाकात की। बैठक में जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री और लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के एलजी मौजूद थे।

वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीजीपी यूपी को उत्तर प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और राज्य के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करने का निर्देश दिया है।

यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने सभी जिलों, कमिश्नरेट और पुलिस इकाइयों को विभिन्न निर्देश दिए हैं, जिनमें सभी महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और प्रतिष्ठानों तक पहुंच नियंत्रण को बढ़ाना, सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील जिलों में अधिक तैनाती शामिल है।

भारतीय सेना और वीर जवानों पर गर्व : केजरीवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने(आप) 'ऑपरेशन सिंदूर' की कामयाबी पर भारतीय सेना को बधाई देते हुए बुधवार को कहा कि पहलगाम हमले के जवाब में सेना ने वीरता का परिचय दिया और पाकिस्तान में चल रहे कई आतंकवादी ठिकाने को तबाह कर दिया। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज तथा दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी समेत कई नेताओं ने भारतीय सेना और वीर जवानों को बधाई देते हुए उनके पराक्रम को नमन किया है। श्री केजरीवाल ने 'एक्स' पर 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए भारतीय सेना को बधाई दी और कहा," हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व है।

बिजली क्षेत्र को कोयला आवंटन के लिए संशोधित शक्ति नीति को मिली मंजूरी

नयी दिल्ली,एजेंसी। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने केंद्रीय क्षेत्र/राज्य क्षेत्र/स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आईपीपी) के ताप विद्युत संयंत्रों को नए कोयला लिंकेज देने के उद्देश्य से भारत में कोयला का पारदर्शी तरीके से दोहन और आवंटन करने की योजना (संशोधित शक्ति) नीति को बुधवार को मंजूरी दे दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुयी समिति की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार संशोधित शक्ति नीति के तहत दो विंडो प्रस्तावित की गई हैं जिनमें

केंद्रीय बिजली उत्पादन कंपनियों/राज्यों को अधिसूचित मूल्य पर कोयला लिंकेजः विंडो-I तथा सभी बिजली उत्पादन कंपनियों को अधिसूचित मूल्य से अधिक प्रीमियम पर कोयला लिंकेजः विंडो-II शामिल है। विंडो-I (अधिसूचित मूल्य पर कोयला) दिया जाना है जिसमें संयुक्त उद्यमों (जेवी) और उनकी सहायक कंपनियों सहित केंद्रीय क्षेत्र की ताप विद्युत परियोजनाओं (टीपीपी) को कोयला लिंकेज देने की मौजूदा व्यवस्था जारी रहेगी। विद्युत मंत्रालय की सिफारिश पर, मौजूदा तंत्र के अनुसार राज्यों और राज्यों के समूह द्वारा अधिकृत एजेंसी को कोयला लिंकेज निर्धारित किए जाएंगे।

राज्यों को निर्धारित कोयला लिंकेज का उपयोग राज्य अपने स्वयं के जेनको, टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) के माध्यम से पहचाने जाने वाले स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों (आईपीपी) या विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 62 के तहत विद्युत क्रय समझौता (पीपीए) वाले मौजूदा आईपीपी द्वारा धारा 62 के तहत पीपीए वाली नई विस्तार इकाई की स्थापना के लिए कर सकते हैं।

पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई से जोश हाई, प्रयागराज में गूंजा भारत माता की जय के नारे

प्रयागराज। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में पाकिस्तान पर आधीरात को की गई एयर स्ट्राइक से लोगों का जोश हाई है। सुबह इसकी जानकारी होते ही लोगों ने चट्टी चौराहे पर पहुंचकर तिरंगा झंडा लहराया और भारत माता की जय के नारे लगाए। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में पाकिस्तान पर आधीरात को की गई एयर स्ट्राइक से लोगों का जोश हाई है। सुबह इसकी जानकारी होते ही लोगों ने चट्टी चौराहे पर पहुंचकर तिरंगा झंडा

लहराया और भारत माता की जय के नारे लगाए। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जगह–जगह मिठाई बांटी और आतिशबाजी कर सेना के साहस और शौर्य की सराहना की। कहा कि भारत ने पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब दिया है। सिविल लाइंस सुभाष चौराहे पर भाजपा महानगर जिलाध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी और गृहमंत्री अमृत शाह के चित्र के साथ भारत माता की जय के नारे लगाए और एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। संजय गुप्ता ने कहा कि देश की जनता की जो इच्छा थी उसी के अनुसार पीएम मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। सेना की यह कार्रवाई पाकिस्तान की सात पीढ़ियां याद रखेंगी।

स्कूलों में दिया गया आतंकी हमले से बचाव का प्रशिक्षण, कराया गया मॉकड्रिल

प्रयागराज। पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई और एयर स्ट्राइक के बाद जिले के कई स्कूलों में बच्चों को एहतियात के तौर पर आतंकी हमले के दौरान खुद को सुरक्षित रखने के साथ ही घायलों के बचाव की जानकारी दी गई। पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई और एयर स्ट्राइक के बाद जिले के कई स्कूलों में बच्चों

को एहतियात के तौर पर आतंकी हमले के दौरान खुद को सुरक्षित रखने के साथ ही घायलों के बचाव की जानकारी दी गई। सायरन बजाकर बच्चों को विभिन्न तरीके से सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी गई। गर्ल्स हाईस्कूल (जीएचएस), सेंट जोसेफ सहित कई विद्यालयों में अधिकारियों की मौजूदगी में बच्चों को मॉकड्रिल का अभ्यास कराया गया। इसी तरह सेंट मैरी कॉलेज में पुलिस, फायर ब्रिगेड और सिविल डिफेंस की ओर से आयोजित एक सत्र में ड्रोन कैमरे के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। जिसका उद्देश्य छात्रों को आपातकालीन स्थितियों में खुद को सुरक्षित रखने के बारे में जागरूक करना था।

शाम छह बजे से अंधेरे में डूब जाता था शहर

प्रयागराज। गृह मंत्रालय की ओर से मंगलवार को राहत व बचाव की तैयारी परखने को होने वाली मॉकड्रिल की घोषणा होने के साथ ही पुराने लोगों की स्मृतियों में ब्लैक आउट और सायरन की गूंज उभरने लगीं। अपने शहर में तमाम ऐसे लोग हैं, जिन्होंने 1971 के भारत–पाक युद्ध के दौरान ब्लैक आउट को देखा था।

तब बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से मेडिकल कॉलेज के सामने स्थित बिजली विभाग के मुख्य अभियंता को जानकारी दी जाती थी। इसके बाद शाम छह बजे से लेकर सुबह छह बजे तक पूरे शहर की बिजली आपूर्ति बंद कर दी जाती थी। इलाहाबाद जंक्शन पर ट्रेन से सीमा पर युद्ध के लिए जाने वाले सैनिकों को खाने के पैकेट और पानी देने वालों की भीड़ लग जाती थी।

बेथनी कॉवेंट स्कूल में किया गया मॉक ड्रिल

प्रयागराज। पाकिस्तान की जमीन पर मंगलवार देर रात एयर स्ट्राइक के मद्देनजर बेथनी कॉवेंट स्कूल में मॉक ड्रिल किया गया। इस अवसर पर नागरिक सुरक्षा कोर के घटना नियंत्रण अधिकारी अजय कुमार सिंह ने छात्र–छात्राओं को किसी तरह के संभावित हवाई हमले से बचने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी तरह की घटना से घबराने की जरूरत नहीं है। नागरिक

सुरक्षा कोर के स्वयं सेवक आपकी मदद के ले हमेशा तैयार हैं। नैनी थाना प्रभारी ब्रज किशोर ने छात्र–छात्राओं को स्वयं की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। प्राचार्य सिस्टर डॉ. समिता ने कहा कि मॉक ड्रिल के माध्यम से सीखी गई बातें अपने घर में लोगों को बताएं। किसी तरह की घटना से घबराना नहीं चाहिए।

विकराल जल संकट के आगे व्यवस्था बौनी

प्रयागराज। शहर के पुराने मोहल्लों में शुमार बेनीगंज में एक पखवारे से लोग बूंद– बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। नलों में पानी आ नहीं रहा, मोटर लगाने के बाद भी बाल्टियां खाली रह जाती हैं। कुछ स्थानों पर टैंकर से पानी की सप्लाई की जा रही है लेकिन इतनी बड़ी आबादी के लिए नाकाफी साबित हो रहा है। मजबूरी में लोग बाजार से खरीद कर पानी पी रहे हैं। लोगों की समस्या जानने पर यहां के बाशिंदों ने बताया कि बीते चार–पांच वर्ष से पानी की समस्या झेल रहे हैं।

नगर आयुक्त, महापौर और जलकल के महाप्रबंधक को समस्या से अवगत करा चुके है लेकिन आश्वासन के अलावा कुछ हाथ नहीं लगा। इस पुरानी बस्ती की पंद्रह हजार से अधिक आबादी पानी के अलावा जाम सीवर लाइन, चोक नाले, जर्जर बिजली के पोल, ढीले होकर लटकते बिजली के तार, खस्ताहाल सड़कें और गलियां, जलभराव त अतिक्रमण जैसी समस्याओं से जूझ रही है लेकिन जिम्मेदार बेफिक्र बने हुए हैं जिससे समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। शहर के पुराने मोहल्लों में शुमार बेनीगंज में पिछले पंद्रह दिनों से पानी का संकट विकराल हो गया है। नलों से पानी आ नहीं रहा है, जहां पहुंच भी रहा वहां प्रेशर इतना कम रहता है कि बाल्टी भरने में एक घंटा लग जाता है। लोग सुबह से पानी के लिए परेशान रहते हैं। ऊंचे इलाकों में तो पानी पहुंच ही नहीं रहा है। लोग दो–दो मोटर लगाते हैं और पाइप में पानी आने के इंतजार करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पूरे वर्ष की समस्या है लेकिन गर्मी में पानी के बगैर उनका रहना मुश्किल हुआ जा रहा है। कुछ स्थानों पर टैंकर से पानी की सप्लाई हो रही है लेकिन वह इतनी बड़ी आबादी के लिए नाकाफी साबित हो रही है।

कई वर्षों से चली आ रही इस समस्या की बाबत लोगों ने नगर आयुक्त, महापौर सहित जलकल के महाप्रबंधक से भी शिकायत की लेकिन समस्या का स्थायी निदान आज तक नहीं हो पाया। जलापूर्ति के लिए बेनीगंज वार्ड में 11 नलकूप लगे हैं जिनमें से चार बड़े नलकूप एवं सात छोटे नलकूप हैं। बड़े नलकूपों में दो की मियाद छह साल पहले ही पूरी हो चुकी है जिसे किसी तरह चलाया जा रहा है। इन दोनों नलकूपों को रिबोर किए जाने की सख्त जरूरत बताई जा रही है। बेनीगंज के भावापुर इलाके में नर्मदा पांडेय की गली, सावित्री गेस्ट हाउस के पीछे और नया पुरवा के सुहागन गेस्ट हाउस के आसपास के इलाके पानी संकट से जूझ रहे

हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि दो नलकूप जिनकी मियाद पूरी हो चुकी है उन्हें रिबोर कर दिया जाए तो पानी की समस्या काफी हद तक सुधर जाएगी। यहां पुष्पांजलि नगर में ओवरहेड टैंक बना है इसके बारे में लोग बताते हैं कि टंकी में काफी कम पानी चढ़ाने के कारण वहां से होने वाली सप्लाई का प्रेशर काफी कम रहता है। पानी की टंकी के लिए लोग उच्च क्षमता की मोटर लगाए जाने की मांग कर रहे हैं लेकिन उसे पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जर्जर बिजली के खंभों से हो सकता है हादसा यहां बिजली के पोल नीचे से जर्जर हो गए हैं जिसके चलते कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जो पोल लगाए गए हैं वह दशकों पुराने हैं जिससे उनके गिरने का खतरा बना हुआ है। इन्हें हटाकर उसके स्थान पर आरसीसी के पोल लगाने पर समस्या का समाधान हो सकता है। वहीं इलाके में बिजली के तार भी बेतरतीब तरीके से लटके हुए हैं, इन तारों को बदले जाने की भी सख्त जरूरत है। नाला और सीवर लाइन चोक, नहीं हो रही सफाई निहालपुर चारही नाला लंबे समय से चोक पड़ा है साथ ही सीवर लाइन भी जाम है जिससे स्थानीय लोग परेशान हैं। लोगों का कहना है कि बारिश में सीवर का पानी घरों में घुस आता है। सड़क और गालियां क्षतिग्रस्त करीब सात आठ वर्ष पूर्व जब सीवर लाइन बिछाई गई थी तो गालियां खोद दी गई थीं। इन गलियों को ठीक करने की जरूरत नहीं समझी गई नतीजा यह हुआ कि ऊबड़ खाबड़ बदहाल गलियों से लोगों को गुजरना पड़ रहा है। सड़कों की भी यही दशा है मुख्य सड़कों को छोड़ दिया जाए तो अधिकार सड़कों को मरम्मत की दरकार है। जल भराव के कारण लोग रहते हैं परेशान यहां नाला–नालियों पर पक्का निर्माण होने से जल निकासी अवरुद्ध हो गई है। गंदा पानी सड़कों पर जमा रहता है। बारिश में समस्या विकराल हो जाती है। लोगों को घुटने भर पानी से होकर गुजरना पड़ता है। अतिक्रमण हटाकर नालियों को साफ कर दिया जाए तो जल भराव की समस्या का समाधान हो जाएगा।

पेयजल का संकट बरकरार है। गर्मी के दिनों में पीने का पानी न मिलने से बहुत समस्या हो रही है।–विष्णु शर्मा

पुराने ट्यूबवेल हैं। उनकी क्षमता कम है। जिससे पानी का प्रेशर कम रहता है। घरों तक पानी नहीं पहुंचता।–दीपक कुमार

आधा घंटा पानी मिलता है। शाम को मोटर से भी पानी नहीं आता। खाने–पीने के लिए समस्या हो रही है। –सुशील कुमार

बस्ती पेयजल संकट से जूझ रही है। गर्मी के सीजन में पीने का पानी न मिलना बड़ा संकट बन रहा है।–कमलेश बाबा

पानी का प्रेशर लो रहता है। बिना मोटर के पानी नहीं आता। ऊंचाई वाले इलाकों में यह दिक्कत और भी ज्यादा है। –गोपाल कुशवाहा

टैक्स जमा करते हैं फिर भी पानी नहीं मिलता। शिकायत के बावजूद अब तक समस्या दूर नहीं हो सकी है। –विनीत राय

भीषण गर्मी के दिनों में पूरी आबादी इन दिनों पेयजल के संकट से जूझ रही है। पेयजल समस्या जल्द दूर होनी चाहिए। –संजय कुशवाहा

आबादी बढ़ गई है और पुराने ट्यूबवेल लगे हैं। जिनकी क्षमता कम है। पूरी बस्ती में पानी का संकट बढ़ता जा रहा है। –अश्वनी सिंह

महिलाओं को बहुत समस्या हो रही है। पर्याप्त मात्रा में पानी न मिलने से खाने से लेकर घर का काम तक नहीं हो पा रहा है। –मिथुन पाल

शिकायत के बाद भी पेयजल की समस्या दूर नहीं हो सकी है। सुबह पानी आ भी जाता है तो शाम को नहीं मिलता। –अखिलेश श्रीवास्तव

सुबह–शाम थोड़ी देर के लिए पानी मिलता है। पार्षद पानी के टैंकर मंगाते हैं तब जाकर काम हो पाता है, इसका समाधान होना चाहिए। –हिमांशु तिवारी

नए ट्यूबवेल लगाए जाने चाहिए। आबादी बढ़ गई है लेकिन आज भी पुराने ट्यूबवेल के सहारे काम चलाया जा रहा है। –शलभ यादव

महिलाओं और बच्चों को आस पड़ोस से जाकर पानी लाना पड़ता है। पेयजल का संकट गहराया हुआ है। –अंकुर गौड़

दिन प्रतिदिन पेयजल का संकट बढ़ता जा रहा है। बड़ी आबादी भीषण गर्मी में पीने के पानी के लिए परेशान हैं।–सुनील कुशवाहा

सुबह शाम पानी के आने का इंतेजार करना पड़ता है। आता भी है तो बहुत कम समय के लिए, जिससे परेशानी हो रही है। –शिवम राय

आबादी बढ़ी लेकिन ट्यूटवेल की क्षमता नहीं। ट्यूबवेल की बोरिंग दोबारा कराई जाए जिससे समस्या दूर हो सके। –विनायक कुशवाहा

एक सप्ताह से पानी का संकट ज्यादा बढ़ गया है। इसका जल्द से जल्द समाधान कराया जाए। –विजय कुशवाहा

तमाम परिवार पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। गर्मी के दिनों में पानी की समस्या और भी बढ़ गई है। –पप्पू शर्मा

गर्मी में पानी का प्रेशर कम हो जाता है जिससे ऊंचे इलाकों में समस्या पैदा हो रही है जिस स्थान पर पानी नहीं पहुंच पा रहा है वहां बूस्टर पंप लगाकर शीघ्र समस्या का निदान कर दिया जाएगा। जल समस्या के निदान लिए महाकुम्भ के दौरान नए नलकूप को लगाने के साथ ही कुछ नलकूपों को रिबोर भी किया गया है।– कुमार गौरव, महाप्रबंधक, जलकल।

पानी की समस्या के लिए नगर आयुक्त, महापौर और महाप्रबंधक जलकल को अवगत कराया जा चुका है। जिम्मेदारों ने समाधान के लिएआश्वस्त कराया था लेकिन निराकरण नहीं हो पाया है जिससे लोग परेशान हैं। –दिग्विजय कुशवाहा ,पार्षद ,वार्ड संख्या 74, बेनीगंज

- -लो प्रेशर की वजह से ऊंचे इलाकों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है।
- -बिजली के पोल जर्जर हो गए हैं, तार लटके हुए हैं।
- -नाला–नालियों पर अतिक्रमण से पानी की निकासी बाधित हो रही है।
- -क्षतिग्रस्त सड़क और गलियों के कारण आवागमन में काफी दिक्कत हो रही है।
- -चौक नाला और जाम सीवर लाइनों के कारण लोग परेशान हैं।
- -पुराने नलकूपों को रिबोर कराया जाए।
- -ओवरहेड टैंक की मोटर की क्षमता बढ़ाई जाए।
- -पुराने जर्जर बिजली के खंभों को बदलकर आरसीसी के पोल लगाए जाएं।
- -नाला–नालियों से अतिक्रमण हटाकर जल निकासी की सुनिश्चित की जाए।
- -क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कर गलियों में इंटरलॉकिंग की जाए।

ढाई दशक बाद प्रयागराज में मकान बनाएगा आवास विकास परिषद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद ढाई दशक बाद प्रयागराज में नई आवासीय योजना बनाने जा रहा है। यह आवासीय योजना प्रयागराज–लखनऊ राजमार्ग किनारे हथिगहां में बनाई जाएगी। आवास योजना निर्माण की प्रक्रिया आवास विकास परिषद ने शुरू कर दी है। प्रदेश के आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने आवास योजना को स्वीकृति दे दी है। उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद के प्रयागराज कार्यालय ने 761 एकड़ जमीन पर आवास योजना बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजा था। आवास योजना के लिए अब किसानों से जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी। आवास योजना में एचआईजी, एमआईजी, एलआईजी और ईडब्ल्यूएस के फ्लैट और भूखंड उपलब्ध होंगे। आवास विकास परिषद के अधिशासी अभियंता नंद किशोर ने बताया कि प्रस्तावित आवास योजना में आवास के अलावा अलग–अलग आकार के प्लॉट भी उपलब्ध होंगे। अधिशासी अभियंता के मुताबिक शासन से गजट जारी होते ही विभिन्न धाराओं के तहत किसानों से जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी। आवास विकास परिषद झूंसी के अंदावा में भी आवास योजना बनाना चाहता है, लेकिन वहां के किसान जमीन देने को तैयार नहीं हैं। आवास विकास की यह होगी पांचवीं आवासीय योजना उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद प्रयागराज में पांचवीं आवासीय योजना बनाएगा। इससे पहले आवास विकास परिषद ने यहां जीटीबी नगर (करेली), झूंसी, मेंहदौरी और झलवा के देवप्रयागम आवास योजना विकसित की थी। झलवा की आवास योजना लगभग ढाई दशक पहले विकसित की गई थी। दो दशक पहले आवास विकास परिषद ने झूंसी में शताब्दी नगर नाम से आवास योजना बनाने की तैयारी शुरू की थी, लेकिन यह योजना आज भी ठंडे बस्ते में है।

सेंट एंथोनी में छात्राओं को बताया कैसे करें खुद का बचाव

प्रयागराज। गृह मंत्रालय के आदेश पर आपातकालीन स्थिति के लिए जिले के स्कूलों में बुधवार को मॉक ड्रिल हुई। इस क्रम में सेंट एंथोनी गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं को आग लगने से बचाव के तरीके बताए गए। सुबह ही सिविल डिफेंस की टीम कॉलेज पहुंच गई और छात्राओं को जरूरी जानकारी दी गई। एसीपी राजीव यादव ने बताया कि कैसे खुद को सुरक्षित रखना है और दिव्यांगों, बच्चों और महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकालना है। सिविल डिफेंस के स्टाफ अफसर सुधीर द्विवेदी, डिप्टी डिविजनल वार्डे राजेंद्र तिवारी 'दुकानजी, प्रिंसिपल सिस्टर मेरी बसिल्ला लियान, एनसीसी की मेजर माधुरी जायवाल, राइडिंग टीचर सोनिया, स्पोर्ट्स शिक्षिका सोनिका गुप्ता और मीता विश्वास मौजूद रहीं।

पाकिस्तानी आतंकी की फर्जी सूचना की प्रयागराज जीआरपी करेगी जांच

प्रयागराज। कैंट अयोध्या सुपर फास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में एक महिला यात्री को पाकिस्तानी आतंकी बताकर फर्जी सूचना देने वाले के खिलाफ अब प्रयागराज जीआरपी ने रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। सनसनी फैलाने वाले आरोपी के खिलाफ जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। आठ अप्रैल 2025 की दोपहर कैंट जीआरपी को व्हाट्सपर सूचना मिली कि अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 22103) में एक आतंकवादी है। एक महिला के बैग में बम है। सूचना पर जंघई जीआरपी के दरोगा प्रमोद यादव ने सूचना देने वाले से संपर्क किया। कॉलर ने बताया कि ट्रेन प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर नौ पर खड़ी थी। 10वें बोगी में एक महिला बैठी थी जिसके पास एक बैग था। आरोप लगाया था कि वह महिला पाकिस्तानी आतंकवादी है। उसने बैग में बम रखा था। ट्रेन को जंघई रेलवे स्टेशन पर रोका गया और जीआरपी व आरपीएफ ने जांच की, लेकिन ट्रेन में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। कई घंटे तक ट्रेन रुकी रही। बम की फर्जी सूचना देने पर जंघई जीआरपी ने केस दर्ज कराया। मामला प्रयागराज से जुड़ा होने पर इस केस को प्रयागराज जीआरपी को ट्रांसफर कर दिया गया। अब जीआरपी कार्रवाई करेगी।

अफवाहबाजों ने किया नाक में दम, तलाशने में जुटा आयोग

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अफवाहबाजों से परेशान है। अगस्त 2023 में अपने गठन के पौने दो साल में मात्र एक परीक्षा करा सके आयोग की नाक में नकारात्मक अफवाहों ने दम कर रखा है। आयोग के परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह ने बकायदा नोटिस जारी करके ऐसे लोगों की सूचना मांगी है जो आयोग और उसकी परीक्षाओं के विषय में विभिन्न माध्यमों से नकारात्मक अफवाहें फैला रहे हैं। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के लिए 16 और 17 अप्रैल को आयोजित लिखित परीक्षा के बाद आयोग के एक आउटसोर्स कर्मी महबूब अली की गिरफ्तारी के बाद से तरह–तरह की अफवाहें फैल रही है। खासतौर से सोशल मीडिया फेसबुक, टेलीग्राम और एक्स आदि पर छात्र परीक्षा को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं। परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह की ओर से 29 अप्रैल को जारी नोटिस में इन अफवाहों के स्रोत, विषय, मंतव्य एवं प्रसार के तरीके की सुरक्षा एजेंसियों से तथ्यपरक जांच कराकर दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई कराने और अफवाहों पर त्वरित एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए अफवाहों का विवरण ई–मेल आईडी upsessc-grievance@gmail-com पर भेजने को कहा है। साथ में साक्ष्य के रूप में स्क्रीनशॉट, वीडियो, आडियो अन्य फाइल वगैरह भी मांगा है। दो सदस्यीय प्रकोष्ठ करेगा निगरानी आयोग अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय ने उपसचिव विकास सिंह और कम्प्यूटर ऑपरेटर (आउटसोर्स) निशांत मिश्रा की दो सदस्यीय ग्रीवांस सेल गठित की है। परीक्षा नियंत्रण डीपी सिंह ने निर्देशित किया है कि आयोग के विषय में नकारात्मक फैलाकर गरिमा को धूमिल किए जाने तथा ऐसे तथ्यों को ई–मेल/दूरभाष पर प्राप्त कर संकलित सूचना दैनिक आधार पर सुरक्षा एजेंसियों को साझा करें।

जिन वार्डों से अधिक मिलता है राजस्व, वहां गृहकर बिल का वितरण पहले

प्रयागराज। शहर के जिन वार्डों से नगर निगम को गृहकर का बिल अधिक मिलता है, वहां बिल पहले वितरित किया जाएगा। नगर निगम के कर निर्धारण विभाग चालू वित्तीय वर्ष के लिए बिल वितरण की योजना बना रहा है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी के निर्देश पर अधिक राजस्व देने वाले वार्डों को चिह्नित करने का निर्देश दिया है। नगर निगम ने पोर्टल पर चालू वित्तीय वर्ष का गृहकर बिल भी अपलोड कर दिया है, ताकि ऑनलाइन देखकर जल्द जमा कर सकें। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी ने बताया कि पुराने शहर के 2.39 लाख और विस्तारित क्षेत्र के 38 हजार भवनों का गृहकर बिल ऑनलाइन कर दिया गया है। नए शहरी क्षेत्र में भी गृहकर बिल भेजने की तैयारी लगभग पूरी हो गई है। शहर के विस्तारित क्षेत्र के 1.77 लाख गृहकर बिल पहली बार भवनस्वामियों को भेजा जाएगा। बिलों पर लोग आपत्ति करेंगे। आपत्तियों के निस्तारण के लिए शहर के विस्तारित क्षेत्र में शिविर लगाए जाएंगे। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के अनुसार सबकुछ सबकुछ ठीक रहता है तो मंगलवार से बिल का वितरण शुरू होगा। शहर के पिछड़े इलाकों में अभियान चलाकर बिल वितरण पर भी विचार हो रहा है।

अरिहंत को देख होता है गौरव का अहसास

प्रयागराज। 54 साल पहले युद्ध में पाकिस्तान पर भारत को मिली विजय में अरिहंत का योगदान भुलाया नहीं सकता। उसी युद्ध में पाकिस्तान ने अमेरिका में निर्मित पैटन टैंक का इस्तेमाल किया था। पाकिस्तानी टैंक धराशाई हो गया और भारतीय सेना के अरिहंत की जय–जय हुई। प्रयागराज के रेड ईगल डिवीजन के शहीद अब्दुल हमीद द्वार पर स्मारक के तौर रखे अरिहंत टैंक को देखने के बाद हर भारतीय को गर्व महसूस होता है। यही टैंक पुरानी छावनी के आर्मी पब्लिक स्कूल में भी स्मारक के तौर पर रखा गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभय अवस्थी बताते हैं कि अरिहंत टैंक ने दुश्मन सेना के छक्के छुड़ा दिए थे। वहीं, 1971 के युद्ध में भारत में निर्मित 75/24 पैक हाउइट्जर गन ने भी कमाल किया था। स्वदेशी गन को खच्चर से भी कहीं ले जाया जा सकता था। यह गन स्मारक के तौर पर शहीद अब्दुल हमीद द्वार के सामने रखी है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपाईयों ने मनाया जश्न

प्रयागराज। पहलगाम हमले के जवाब में मंगलवार आधी रात किए गए भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जश्न मनाया। सिविल लाइंस में महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता की अगुवाई में पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की तस्वीर को प्रतीक रूप में मिठाई खिलाकर और तिरंगा फहराकर जश्न मनाया। भारत माता की जय, जय हिंद, वंदे मातरम जैसे नारे लगाते हुए कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान को माकूल जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। जश्न मनाने वालों में पवन श्रीवास्तव, अनुराग संत आदि शामिल रहे।

पाकिस्तान के खिलाफ स्ट्राइक से देश में गर्व: प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी

शिव चौक पर आयोजित मां भगवती जागरण में गूंजे देशभक्ति के तराने, पहलगाम के शहीदों के लिए हुआ पूजन

मुजफ्फरनगर। अखिल भारत हिंदू महासभा एवं अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा द्वारा मां भगवती जागरण हृदयस्थली शिव चौक पर देशभक्ति के तराने के साथ संपन्न हुआ। मां भगवती जागरण का शुभारंभ जागरण पूजन से हुआ मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रफुल्ल मेहरा, सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया, राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी, अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा के राष्ट्रीय मंत्री आचार्य अजय कृष्णा, भाजपा नेता अशोक बाठला, हिंदू महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री राजेश कौशल, महाकाल की बेटी शालू सैनी, सुमित कसाना, अमित त्यागी सहित प्रमुख अतिथियों ने पूजन कर मां भगवती की ज्योति प्रज्वलित की।

प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अखिल भारत हिंदू महासभा एवं अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा द्वारा इस जागरण का आयोजन किया गया। इसकी शुरूआत उनके द्वारा ही जनपद में धर्मप्रेमियों को जोड़ने के लिए किया गया था। यह जागरण पहलगाम के शहीद पर्यटकों को समर्पित किया गया। यहां सभी ने माता रानी से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

उन्होंने भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ की गई ऑपरेशन सिंदूर की कार्यवाही पर गर्व जताते हुए कहा कि इसके लिए भारत सरकार का कदम सराहनीय है। आतंकवाद के खिलाफ इससे भी कहीं ज्यादा मजबूत कार्यवाही की जानी चाहिए। पूरा देश सरकार के साथ खड़ा हुआ है। भारतीय सेना ने जो शौर्य दिखाया है, उसने उन बेटियों को न्याय दिलाने का काम किया है, जिनका सिंदूर आतंकियों ने पहलगाम में उजाड़ने का काम किया। आज पूरे देश को इस कार्यवाही पर गर्व है और देश एकजुट है।

अखिल भारत हिंदू महासभा

द्वारा 2006 से लगातार शिव चौक पर मां भगवती के विशाल जागरण का आयोजन अखिल भारत हिंदू महासभा द्वारा किया जा रहा है। यहां पर मुख्य अतिथियों को भगवा पटका एवं मां भगवती की प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया। यह सब सर पर सभी अतिथियों ने अपने बयान में कहा कि पूरी दुनिया इस समय आतंकवाद से लड़ रही है। हिंदुस्तान भी आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए कार्रवाई कर रहा है जब तक आतंकवाद समाप्त नहीं हो जाता, ये लड़ाई जारी रहेगी। मां भगवती जागरण में खुशी जागरण मंडल के डायरेक्टर बृजेश कुमार द्वारा मनमोहन झांकियां के साथ–साथ मां भगवती के गुणगान किया गया और देश भक्ति के तरानों ने अलग ही माहौल बना दिया। मां भगवती के सुंदर भजनों पर मां के भक्त मंत्रमुक्ध होकर नृत्य करते दिखाई दिये।

अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष योगेंद्र वर्मा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष साक्षी वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष अरुण चौधरी विधि प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष बृजभूषण शर्मा, मंडल अध्यक्ष गौरव त्यागी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शिवम कंबोज, जिला अध्यक्ष संदीप मित्तल, युवा मंडल अध्यक्ष शुभम जोशी, जिला उपाध्यक्ष शिवम, जिला उपाध्यक्ष अनुज गर्ग, चेतन देव आर्य, मनोज चौहान, विकास चंद्र सिंह, अंकुर, अरुण कुमार, प्रदेश प्रभारी हरिओम त्यागी सहित सैंकड़ों भक्तजन उपस्थित रहे। जागरण का समापन तारा रानी की कथा के पश्चात कन्या पूजन एवं हलवे चने के प्रसाद के वितरण के साथ हुआ। अंत में योगेन्द्र वर्मा ने इस आयोजन में सहयोग करने पर सभी का आभार जताया। कहा कि 2006 में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मनीष चौधरी के साथ मिलकर हमने इस भगवती जागरण की शुरुआत की थी, जिसे आज तक निभाया जा रहा है।

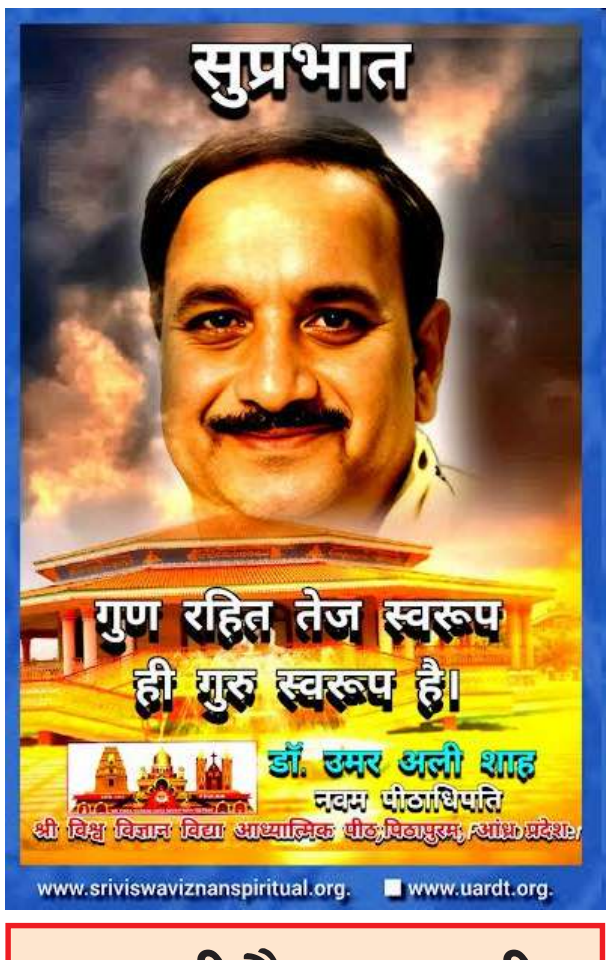

पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना का कहर

– अखिलेश यादव ने बताया पराक्रम की जीत, ओवैसी बोले, आतंक का सफाया जरूरी

– निर्दोष लोगों की हत्या का प्रतिशोध है ऑपरेशन सिंदूर : महाना

– छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं : निषाद

लखनऊ, संवाददाता। भारत की सेना ने बीती मंगलवार–बुधवार की रात पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर जबरदस्त प्रहार किया,जिसकी हिंदुस्तान में जमकर तारीफ हो रही है। लोग बोले,यह बहुत जरुरी है। देशभर में नेताओं की प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे पराक्रम की जीत बताया है। अखिलेश यादव ने एक्स पूर्व में ट्विटर पर प्रतिक्रिया में लिखा–पराक्रमो विजयते! यानि पराक्रम की विजय होती है। उनका बयान वायरल हो गया और समर्थकों के बीच जोश भरने का काम कर रहा है। इस स्ट्राइक को लेकर जनता के बीच भी खासा उत्साह देखा जा रहा है।देर रात 1.44 बजे रक्षा मंत्रालय ने जानकारी साझा की कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके के 9 आतंकी अड्डों को निशाना बनाया है। हमला योजनाबद्ध था और आतंकी ढांचे को गहरी चोट पहुंचाई गई है। ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सेना की कार्रवाई का समर्थन किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पाकिस्तान को ऐसी सीख दी गई है कि वह दोबारा दुस्साहस करने से पहले सौ बार सोचेगा। ओवैसी ने कहा कि आतंकी ढांचे का पूरी तरह सफाया किया जाना चाहिए ताकि फिर कोई दूसरा पहलगाम न दोहराया जा सके। अपनी बात का समापन उन्होंने श्जय हिंदश के नारे के साथ किया, जो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है।उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर उन 26 निर्दोष लोगों की हत्या का प्रतिशोध है, आतंकियों ने छुपकर अंजाम दिया था।महाना ने कहा कि भारतीय सेना ने उनके आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर एक बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने सेना का आभार व्यक्त किया और शहीदों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना भी की।उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री संजय कुमारनिषाद ने ऑपरेशन सिंदूर पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह नया भारत है, जो अगर छेड़ा जाएगा तो छोड़ेगा नहीं। उन्होंने भारतीय सेना को गर्व का प्रतीक बताते हुए बधाई दी। अगर दुश्मन नहीं सुधरेगा तो भारत सुधार कर देगा।

जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की चिराग पासवान से मुलाकात

पत्रकारों के उत्पीड़न और हितों को लेकर विस्तारपूवर्क वार्ता, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री को सौंपा 9 सूत्रीय ज्ञापन

दिल्ली। 'जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' के 16 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली में लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात की। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गोयल के नेतृत्व में इस प्रतिनिधि मंडल में मुजफ्फरनगर से श्दैनिक सदाशयश के वरिष्ठ पत्रकार अमित सैनी और नयन जागृति के संपादक शिवम जैन सहित दिल्ली, मथुरा, गौतमबुद्ध नगर, सहारनपुर, शामली, मेरठ आदि क्षेत्रों के पत्रकार शामिल रहे। ये मुलाकात केंद्रीय मंत्री के दिल्ली स्थित खाद्य प्रसंस्करण उद्योग कार्यालय में हुई, जहां पत्रकारों ने अपनी मांगों को लेकर एक नौ सूत्रीय मांग पत्र सौंपा।

पत्रकारों के हितों की रक्षा की मांग

प्रतिनिधि मंडल ने पत्रकारों पर हो रहे उत्पीड़न को रोकने और उनके हितों को सुरक्षित करने की मांग की। मांग पत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पत्रकार सुरक्षा कानून, पत्रकारों के बच्चों के लिए निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड जैसी कल्याणकारी योजनाओं का

लाभ, 20 लाख का बीमा, सरकारी आवासीय कॉलोनी, फर्जी मुकदमों की निष्पक्ष जांच, जिला स्तरीय समिति द्वारा कार्रवाई से पहले सुनवाई और भारतीय रेलवे में विशिष्ट कोटा जैसी मांगें शामिल थीं। इन मांगों का उद्देश्य पत्रकारों को सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण प्रदान करना है।

चिराग पासवान का सकारात्मक रुख

मुलाकात के दौरान अमित सैनी और शिवम जैन ने एसोसिएशन की मांगों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। चिराग पासवान ने पत्रकारों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और उनकी मांगों को संसद में उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने तत्काल कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिए। पासवान ने पत्रकारों को हर संभव मदद का वादा किया, जिससे प्रतिनिधि मंडल में उत्साह का माहौल रहा।

पत्रकारों की एकजुटता का प्रतीक

यह मुलाकात पत्रकारों की एकजुटता और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष का प्रतीक है। विभिन्न क्षेत्रों से आए पत्रकारों ने एक मंच पर अपनी समस्याओं को रखा और सरकार से ठोस कदमों की उम्मीद जताई। इस पहल से पत्रकार समुदाय में नई उम्मीद जगी है कि उनकी आवाज अब नीति–निर्माण तक पहुंचेगी।

कहानी है यह सच्ची

(कुण्डलिया)

घबराओ मत देखकर, ईश नाम को टेर।
वहशत है अरु कुछ नहीं, साथ समय का फेर।
साथ समय का फेर, परीक्षा है मानव की।
रखना हरदम ध्यान, घरौंदा अरु गुलशन की।
मौसम देख प्रदीप, कहें मत अब भरमाओ।
मौत तुम्हारे द्वार खड़ी अब तुम घबराओ।।

वहशत उनकी देखिये, खुद का कर नुकसान।
उनसे ही जुड़ते रहे, जिसने रखा न ध्यान।।
जिसने रखा न ध्यान, कहानी है यह सच्ची।
रखना इसको याद, मगर मत कहना अच्छी।
सुन लो कहें प्रदीप, देख मानव की आदत।
रखना सदा ख़याल, न हो रिश्तों में वहशत।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

डीसीएम और डंपर की टक्कर, दो की मौत,पीछे से टकराई डीसीएम, गाड़ी में ही ड्राइवर–कंडक्टर की मौत

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में माल थाना क्षेत्र में आउटर रिंग रोड पर ग्राम रैथा के पास डीसीएम और डंपर में टक्कर हो गई। डीसीएम के डंपर में पीछे से घुसने से उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस और दमकल कर्मियों ने जेसीबी और हाइड्रा की मदद से डीसीएम के कैबिन में फंसे दोनों लोगों को बाहर निकला। पुलिस ने गंभीर हालत में दोनों को बीकेटी सरकारी अस्पताल भेजा। वहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। माल पुलिस के मुताबिक, डीसीएम में मौजूद दोनों मृतकों की शिनाख्त हो गई है। बताया जा रहा है कि एक चालक और दूसरा परिचालक था। एक गौतमबुद्ध नगर के जारचा करौदा निवासी लियाकत का बेटा नाजिम (32) और दूसरा जुल्फिकार का बेटा वसीम (34) है। दोनों के परिजनों को सूचना दे दी गई। घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

रेप की धमकी मिलने के बाद युवती ने खुद को किया घर में कैद

लखनऊ, संवाददाता। गोमतीनगर थाना अंतर्गत सिविल सेवा की तैयारी कर रही युवती को रेप की धमकी मिलने के बाद युवती ने खुद को घर में कैद कर लिया है, जानकारी के अनुसार गोमतीनगर में किराए के मकान पर रह रही युवती को गुंजन गुप्ता ने फेसबुक अकाउंट पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी गोमतीनगर में ऑफिस खोलने व नौकरी का झांसा देने की बात कहकर युवक ने दोस्ती की, युवती के अनुसार युवती को अकेले मिलने के लिए बुलाया जब वो युवक की बताई जगह पर उसे मिलने नहीं पहुंची तो उसने रेप की धमकी दे डाली जिससे आहत होकर डरी सहमी युवती ने गोमतीनगर थाने पहुंच कर गुंजन गुप्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई, इधर एफआईआर के एक हफ्ता बीत जाने के बाद भी गोमतीनगर पुलिस कार्रवाई का आलम यह है कि दबंग खुलेआम घूम रहा है, खुद को रसूखदार बताने वाला दबंग गुंजन गुप्ता को पुलिस अभी तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है अबतक की छानबीन में नतीजा सिर्फ जीरो ही नजर आ रहा है डरी सहमी युवती ने पुलिस उच्चाधिकारियों से न्याय की मांग करते हुए गुंजन गुप्ता की गिरफ्तारी की पुरजोर मांग की है , ताकि उसका जीवन और भविष्य दोनों ही सुरक्षित रह सके।

इकबाल अंसारी ने सेना के शौर्य को सराहा, कहा, पाक राक्षस है... उसे मारने के लिए राम की जरूरत...

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के नौ ठिकानों पर मिसाइल अटैक कर जम्ब्मू और कश्ब्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का आज बदला ले लिया। सेना की कार्रवाई से पूरे देश में खुशी का माहौल है। इसी कड़ी में बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं भारतीय सेना के लिए दुआ कर रहा हूं। हमारी भारतीय सेना ने जो जौहर दिखाया है, वह काबिले तारीफ है। पाकिस्तान राक्षस है और राक्षसों को मारने के लिए राम की जरूरत है। पाकिस्तान के खिलाफ इस कार्रवाई को ऑपरेशन सिंदूर का नाम दिया गया। आप को बता दें कि पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई इस कार्रवाई को 'ऑपरेशन सिंदूर के नाम से अंजाम दिया गया जो भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से चले आ रहे सैन्य तनाव का एक और अध्याय है। भारत–पाक सैन्य टकराव का इतिहास भारत की स्वतंत्रता और इसके विभाजन के बाद 1947 की लड़ाई से शुरू होता है, जो पुलवामा आत्मघाती हमले के जवाब में भारत की ओर से 2019 में की गई बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक तक फैला है। 1947 (पहला भारत–पाक युद्ध) रू इस युद्ध को प्रथम कश्मीर युद्ध के रूप में भी जाना जाता है।

महापौर सुषमा खर्कवाल से उद्घाटन की अपेक्षा

नगर निगम पार्क पर बच्चों का स्कूल खोलने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ नगर निगम में सार्वजनिक पार्क विभाग में पंजीकृत सामुदायिक गतिविधियों के लिये सुरक्षित डिप्टी रघुबर दयाल पार्क में सरकारी डिस्पेंसरी और बच्चों का स्कूल खोलने की मांग की गयी है।स्थानीय निवासियों के अनुसार 1935

में स्थापित इस सार्वजनिक पार्क का प्रयोग लंबे समय तक स्थानीय गतिविधियों के लिये किया जाता था किंतु बाद में अतीक अहमद गिरोह से जुड़े भूमाफियाओं ने इसे अपनी असामाजिक गतिविधियों का केंद्र बना दिया।बाद में हाईकोर्ट के आदेश से यह भूमाफियाओं से मुक्त हो गया। इस पर लगे सौ साल पुराने अशोक के पेड़ों को कटवाने का प्रयास कुछ आपराधिक तत्वों ने किया जिस पर वन विभाग और लखनऊ पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रोक लगा दी थी। तत्कालीन महापौर संयुक्ता भाटिया ने भी इस सरकारी पार्क को बचाने के आदेश दिये थे। राजधानी के वीवीआईपी मीराबाई मार्ग पर विद्युत परिषद मुख्यालय और जीएसटी आफिस के पास स्थित लखनऊ नगर निगम का यह सरकारी पार्क लंबे समय से पुनरुद्धार का इंतजार कर रहा है लेकिन खाली पड़ी सरकारी जमीन पर अवैध तत्वों की शरारती गतिविधियां जारी हैं। स्थानीय कांग्रेस नेता सुभाष श्रीवास्तव ने पार्षद चुनावों के प्रचार में इस सरकारी पार्क को बच्चों के झूले लगवाने और ओपेन जिम बनवाने का मुद्दा उठाया था। इसके अलावा यहां लखनऊ नगर निगम से संचालित मेडिकल डिस्पेंसरी की मांग भी स्थानीय जनता कर रही है!

मदद फाउंडेशन स्थापना दिवस: 27 जुलाई को मनेगा भव्य समारोह

प्रयागराज। सिविल लाइंस के माया बाजार में आज मदद फाउंडेशन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें संस्था के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता प्रख्यात समाजसेवी अवधेश निषाद ने की, जिन्होंने मदद फाउंडेशन के सामाजिक योगदान को रेखांकित करते हुए पिछले तीन वर्षों से संचालित ष्रविवार की रसोईष् की सराहना की। यह पहल गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी स्थापना दिवस समारोह को भव्य और प्रभावी ढंग से आयोजित करने की रूपरेखा तैयार करना था। इस दौरान सभी पदाधिकारियों और

कार्यकर्ताओं ने अपने विचार साझा किए, जिससे समारोह की योजना को मजबूती मिली। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि स्थापना दिवस 27 जुलाई 2025 को मनाया जाएगा, क्योंकि रविवार होने के कारण अधिक से अधिक लोग इस आयोजन में शामिल हो सकेंगे।

वरिष्ठ समाजसेवी आशीष मिश्रा ने सुझाव दिया कि मुख्य अतिथि के रूप में ऐसी शख्सियत को आमंत्रित किया जाए, जो संस्था की गरिमा को और ऊंचा उठाए। इस प्रस्ताव को सभी ने उत्साहपूर्वक स्वीकार किया। वहीं, वरिष्ठ पदाधिकारी संतोष तिवारी ने प्रयागराज के उन समाजसेवियों और उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने का विचार रखा, जो विभिन्न संस्थाओं से जुड़े हैं और समाज के लिए प्रेरणादायक कार्य कर रहे हैं। इस सुझाव को भी सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

जिलाध्यक्ष अरविंद पांडेय और चित्रकूट–बुंदेलखंड प्रभारी विवेक मिश्रा ने इन प्रस्तावों का पुरजोर समर्थन करते हुए आयोजन को सफल बनाने के लिए हर संभव सहयोग का वादा किया। बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए कड़ी मेहनत और समर्पण का संकल्प लिया। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी अवधेश निषाद, आशीष मिश्रा, संतोष तिवारी, लीगल एडवाइजर अंकित सिंह यादव, डॉ. शैलेंद्र श्रीवास्तव, संदीप सिंह, विनोद मिश्रा, विवेक मिश्रा, अरविंद पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण मिश्रा, मंगला प्रसाद तिवारी सहित कई गणमान्य लोग शामिल रहे।

मदद फाउंडेशन का यह प्रयास न केवल सामाजिक एकजुटता को मजबूत करेगा, बल्कि समाजसेवा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा। स्थापना दिवस का यह आयोजन प्रयागराज के सामाजिक परिदृश्य में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

ट्रैक्टर से कुचलकर युवक की हत्या,सड़क किनारे पड़ा मिला शव, परिजनों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के इंदिरानगर इलाके में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिवार ने ट्रैक्टर कुचलकर हत्या करने का आरोप लगाया है। आक्रोशित परिजनों ने कार्रवाई न होने तक शव को घर के पास रखकर प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंचे वरिष्ठ अधिकारियों ने समझाकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इंदिरानगर के जरहरा निवासी सूरज यादव पुत्र झब्बू यादव ट्रैक्टर चलाता था। मृतक के भाई शोभित ने बताया मंगलवार शाम राज जायसवाल काम से ले जाने की बात कहकर अपने साथ ले गया था। इसके बाद वापस नहीं लौटा। परिजनों ने तलाश की तो उसका शव बुधवार सुबह नेवादा पावर हाउस के पास मिला। परिजनों का आरोप है कि सूरज की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या की गई है।

सम्पादकीय.....

गरीब की दवा

कई बार समाचार सुनने–पढ़ने को मिलते हैं कि परिजनों के गंभीर व असाध्य रोगों के महंगे इलाज की वजह से लाखों लोग गरीबी की दलदल में डूब गए। कोरोना संकट के दौरान भी लोगों द्वारा घर, जमीन व जेवर बेचकर अपनों की जान बचाने की कोशिश की खबरें मीडिया में तैरती रही। लेकिन सामान्य दिनों में दवा कंपनियों की मिलीभगत व दबाव में लिखी जाने वाली महंगी दवाइयां भी गरीबों को टीस दे जाती हैं। इसके बावजूद कि बाजार में उसी साल्ट वाली गुणवत्ता की जेनेरिक दवा सहज उपलब्ध है। कुछ समय पहले केंद्र सरकार की ओर से जेनेरिक दवाइयां लिखने की अनिवार्यता के निर्देश का अच्छा–खासा विरोध हुआ, जिसके चलते निर्णय वापस लेना पड़ा था। अब इसी चिंता को देश की शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्त किया है। दरअसल, बीते शुक्रवार को दवा कंपनियों की मुनाफाखोरी के कारोबार से बढ़ती दवाओं की कीमतों के बाबत एक मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि डॉक्टर केवल जेनेरिक दवाइयां ही लिखना प्रारंभ कर दें, तो दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है। निस्संदेह, तरह–तरह के प्रलोभन व परोक्ष–अपरोक्ष लाभ देकर दवा कंपनियां चिकित्सकों पर महंगी दवा लिखने का दबाव बनाती हैं। जिसकी कीमत उन लोगों को चुकानी पड़ती है, जो महंगी दवा खरीदने की क्षमता नहीं रखते। ऐसे में वे कर्ज लेकर या अपने रिश्तेदारों से मदद लेकर किसी तरह गंभीर रोगों से ग्रस्त मरीजों का इलाज कराते हैं। इस खर्च के दबाव के चलते परिजनों को भी तमाम कष्ट उठाने पड़ते हैं। गाहे–बगाहे सरकारों ने दवा कंपनियों की बेलगाम मुनाफाखोरी रोकने को कदम उठाने की घोषणाएं तो कीं, लेकिन समस्या का सार्थक समाधान नहीं निकल पाया। चिकित्सा बिरादरी की तरफ से भी यदि इस दिशा में सहयोग मिलने लगे तो इस समस्या का समाधान किसी सीमा तक संभव हो सकता है। लेकिन विडंबना है कि ऐसा हो नहीं पा रहा है। एक संकट यह भी है कि दवा कंपनियों द्वारा प्रचार किया जाता है कि जेनेरिक दवाइयां रोग के उपचार में पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं होती। निस्संदेह, सरकारों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि जेनेरिक दवाइयों को प्रोत्साहन देने के उसके प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ते। एक वजह यह भी है कि दवा कंपनियों की लॉबी खासी ताकतवर होती है और साम–दाम–दंड–भेद की नीति का उपयोग करके अपने उत्पादों का विपणन करने में सफल हो जाती है। ऐसे आक्षेपों से चिकित्सा बिरादरी भी दोषमुक्त नहीं हो सकती, जो दवा कंपनियों के लोभसंवरण से मुक्त नहीं हो पाती। सरकारों को देखना चाहिए कि दवा कंपनियों द्वारा पोषित कदाचार पर नियंत्रण के प्रयास जमीनी हकीकत क्यों नहीं बन पाते। यदि ये कदम सख्ती से उठाए जाएं तो गरीब मरीज गंभीर रोगों का उपचार करने में सक्षम हो पाएंगे। फिर उनके अपनों का इलाज उनकी क्षमता के अनुरूप हो सकेगा। निस्संदेह, लंबे उपचार व असाध्य रोगों के इलाज में दवाओं की कीमत एक प्रमुख घटक होता है। यदि दवा नियंत्रित दामों में मिल सके तो उनकी बड़ी चिंता खत्म हो सकती है। निस्संदेह, दवाओं की कीमत हमारी चिकित्सा सेवाओं के लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। सरकार को चाहिए कि गांव से लेकर शहरों तक जेनेरिक दवाओं के मेडिकल स्टोर बड़ी संख्या में खोले जाएं। मरीजों के तिमारदार उन तक आसानी से पहुंच सकें। इस काम में स्वयं सेवा समूहों की मदद ली जा सकती है ताकि गरीब–अनपढ़ मरीजों को जागरूक करके जेनेरिक दवाइयों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके। मरीजों के परिजनों को विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि जेनेरिक दवाइयां भी उसी साल्ट से बनी होती हैं, जिससे महंगी ब्रांडेड दवाइयां बनी होती हैं। निश्चित रूप से चिकित्सा बिरादरी का भी फर्ज बनता है कि वे अपने ऋषिकर्म का दायित्व निभाते हुए गरीब मरीजों को अधिक से अधिक जेनेरिक दवाइयां लिखना शुरू करें। यह उनके लिये भी पुण्य के काम जैसा होगा। लेकिन एक बात तो तय है कि सरकार असरकारी व समान गुणवत्ता की जेनेरिक दवाओं की बिक्री व सहज उपलब्धता के लिये युद्धस्तर पर प्रयास करे। साथ ही सूचना माध्यमों व स्वयं सेवी संस्थाओं की मदद से जागरूकता अभियान भी चलाए।

सिख दंगा: राहुल की स्वीकारोक्ति

डॉ. दीपक पाचपोर

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

देश का मौजूदा दौर नेतृत्व द्वारा अपने उत्तरदायित्वों से बचने और दूसरों पर दोष मढ़ने का है। 2014 से प्रारम्भ हुआ यह कालखंड ऐसे अनेक उदाहरणों से भरा हुआ है जिनमें नेतृत्व जिम्मेदारी से भागता नजर आता है। भारतीय जनता पार्टी की जिस सरकार का नेतृत्व प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं, उसमें चाहे खुद मोदी हों अथवा उनकी पार्टी या सरकार– हर तरह के उत्तरदायित्वों से पीछा छुड़ाती नजर आती है। नोटबन्दी से लेकर किसान कानून हों जिनके कारण अनेक मौतें हुई हों अथवा मणिपुर की त्रासदी, सुरक्षा में चूक के चलते पुलवामा की घटना हो या पिछले माह की पहलगाम की आतंकी घटनाएं– मोदी का किसी भी मामले में जिम्मेदारी लेना तो दूर, उनका कोई सादा सा बयान तक नहीं आता। जहां किसी प्रदेश के विधानसभा में पार्टी की चुनावी हार हो जाये तो स्टार प्रचारक होने के नाते ही सही– उन्हें अपनी भूमिका को ठीक से न निभाने के लिये न तो खेद प्रकट करते देखा गया और न ही हार का जिम्मेदार खुद को बताते पाया गया। निजी तौर पर उनकी गलत बयानी, सायास तथ्यों को तोड़–मरोड़कर पेश करने की चालाकी सामने आने के बाद भी वे न तो अपनी चूक को स्वीकारेंगे, न ही ऐसी गलती दोहराने से बचने का संकल्प जतायेंगे। ऐसे दौर में राहुल गांधी 1984 के उन सिख दंगों की जिम्मेदारी सार्वजनिक रूप से लेते हैं, जब वे मात्र 14 साल के थे। उल्लेखनीय है कि अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में ऑपरेशन ब्लू स्टार से नाराज इंदिरा गांधी के सिख सुरक्षाकर्मियों ने जब इस फैसले के लिए उन्हें गोलियों से भून दिया था, तब देश भर में सिखों के खिलाफ दंगे भड़क उठे थे। खासकर, दिल्ली में बड़े पैमाने पर सिखों का कत्ल हुआ था जिसका घाव अब भी भारत के सीने पर है और सिख स्वाभाविकतरू आज भी उस घटनाक्रम से नाराज हैं। इन दंगों में अनेक कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की संलिप्तता पायी गयी। अनेक नेता दोषी भी पाये गये। जगदीश टाइटलर और सज्जन कुमार उनमें बड़े नाम थे जिन्हें अति सुस्त ही सही, पर एक निर्धारित न्यायिक प्रक्रिया के तहत दोषी भी साबित किया गया है। बड़ी तादाद में लोगों के खिलाफ मुकदमे चलाये गये हैं। पिछले माह जब राहुल अमेरिका के दौरे पर गये थे, तब उन्होंने ब्राउन विश्वविद्यालय के वाटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में भाषण दिया था। एक सिख छात्र ने उनके पहले के एक भाषण का हवाला देते हुए कहा कि श्आप सिखों में डर पैदा करना चाहते हैं। याद हो कि राहुल ने विदेशी दौरे में ही एक भाषण में कहा था कि शसिखों को कड़ा पहनने या केश धारण करने या गुरुद्वारे जाने से भी रोका जा सकता है। दरअसल राहुल का मंतव्य देश में अल्पसंख्यकों की धार्मिक आजादी को भाजपा सरकार की ओर से खतरे से था। सिख युवक ने कहा कि, वे (सिख) न केवल कड़ा धारण करना चाहते हैं, न केवल केश रखना चाहते हैं वरन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी चाहते हैं। इसी सिलसिले में उस युवक ने जब सिखों के खिलाफ भड़के दंगों का मुद्दा उठाया तो राहुल ने साफगोई से कहा कि श्वैसे वे उस दौरान नहीं थे, परन्तु वे दंगों पर उनकी पार्टी की गलतियों को अपने सिर पर लेने के लिये सहर्ष तैयार हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने कहा– श्कांग्रेस द्वारा इतिहास में जो भी गलतियां की गयी हैं, उन सभी की वे जिम्मेदार लेते हैं। यह वीडियो अब वायरल हुआ है, जिसमें सिखों के प्रति ही नहीं, वरन अल्पसंख्यकों के प्रति भी राहुल का दृष्टिकोण तथा पार्टी की तत्सम्बन्धी गलतियों को लेकर उनकी स्वीकोरोक्ति जाहिर हुई है। युवक ने आरोप लगाया कि श्आप भाजपा के नाम से सिखों को डरा रहे हैं जबकि आप कहते हैं कि राजनीति में निडरता होनी चाहिये। यदि ऐसा रहा तो पंजाब में भी भाजपा आ जायेगी। हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहते हैं जो कांग्रेस के शासनकाल में नहीं थी।श उक्त युवक की बात में आनंदपुर साहिब प्रस्ताव, सिख दंगों के दोषी सज्जन कुमार आदि का भी उल्लेख था। उस युवक ने जब पूछा कि श्क्या अतीत में उनकी पार्टी में परिपक्वता का अभाव थाश, तो राहुल ने कहा कि श्अतीत में कांग्रेस द्वारा जो भी गलतियां हुई हैं, वे सभी की सहर्ष जिम्मेदारी लेते हैं। यह बात तो तय है कि इस वीडियो का राजनीतिक लाभ लेने की पूरी कोशिश भाजपा और उनका आईटी सेल करेगा, जिसकी शुरुआत भी हो चुकी है। इसे लेकर भाजपा–संघ किस प्रकार से हमलावर होते हैं और उनका बचाव कांग्रेस किस प्रकार से करेगी, यह तो आगे चलकर देखने की बात हैय लेकिन इस बयान के बाद बतौर नेता राहुल नयी ऊंचाइयों को छूते दिख रहे हैं। आधुनिक प्रबन्धन भी कहता है कि असली नेता वह होता है, जो अपने संगठन की गलतियों, खामियों या नाकामियों को भी अपने सिर पर ले। यहां इस बात का स्मरण दिलाना समीचीन होगा कि 2019 का लोकसभा चुनाव हारने के बाद उन्होंने पार्टी अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दिया था। फर्क यह है कि तब वे कांग्रेस के बाकायदा अध्यक्ष थे जबकि सिखों के खिलाफ हुए दंगों के वक्त वे एक किशोर थे जो राजनीति में तब आये भी नहीं थे। फिर भी वे इसकी जिम्मेदारी स्वीकार कर उदाहरण तो पेश कर ही रहे हैं। अब देखना यह है कि इस मुद्दे पर हंगामा करने वाले कम से कम अपनी गलतियों को कब स्वीकारेंगे?

पाकिस्तान को एफएटीएफ ग्रे लिस्ट में वापस लाने की भारतीय रणनीति

के रवींद्रन

भारत पाकिस्तान के खिलाफ अपने कूटनीतिक हमले को तेज कर रहा है,और अब वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में इस्लामाबाद को फिर से सूचीबद्ध कराने के लिए प्रयास कर रहा है। ट्रम्प के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन से समर्थन की असामान्य रूप से मजबूत अभिव्यक्ति द्वारा समर्थित यह नया प्रयास, सीमा पार आतंकवाद में अपनी निरंतर मिलीभगत के लिए पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराने के लिए नयी दिल्ली द्वारा एक रणनीतिक कदम में तेजी को दर्शाता है। एफएटीएफग्रे लिस्ट– जिसे औपचारिक रूप से बढ़ी हुई निगरानी के तहत क्षेत्राधिकार के रूप में जाना जाता है– में पहले 2018 से 2022 तक पाकिस्तान शामिल था, जिससे देश को मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण चौनलों पर गहन जांच के अधीन किया गया था। उस चार साल की अवधि में इस्लामाबाद ने अंतरराष्ट्रीय दबाव के तहत वित्तीय सुधारों को लागू करने के लिए संघर्ष किया, और इसने विदेशी निवेश, ऋण और विकास सहायता तक पाकिस्तान की पहुंच को काफी हद तक बाधित किया। 2022 में डीलिस्टिंग इस दक्षिण एशियाई राष्ट्र के लिए एक कूटनीतिक और आर्थिक सफलता थी, जिसने पाकिस्तान की पहले से ही लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को जीवन रेखा प्रदान की और वैश्विक वित्तीय संस्थानों के साथ नये सिरे से जुड़ाव को सक्षम किया। भारत अब उस लाभ को उलटने के लिए दृढ़ संकल्पित है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को एफएटीएफ के निशाने पर वापस लाने का प्रयास तेज हो गया। हालांकि इस्लामाबाद ने किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है, लेकिन भारतीय अधिकारियों ने एफएटीएफ के प्रमुख सदस्य देशों को नयी खुफिया जानकारी दी है, जिसमें वित्तीय बहाव का विवरण शामिल है जो कथित तौर पर हमले के अपराधियों को पाकिस्तान स्थित फंड प्रदाता संस्थानों से जोड़ता है। भारतीय विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, डोजियर में सैटेलाइट इमेजरी, इंटरसेप्ट किये गये संचार और लेन–देन रिकॉर्ड शामिल हैं जो जम्मू और कश्मीर में चरमपंथी गतिविधियों से जुड़े धन के सीमा पार प्रवाह का संकेत देते हैं। उद्देश्य स्पष्ट हैरू यह प्रदर्शित करना कि पाकिस्तान आतंकवाद वित्तपोषण के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रहा है, और इस प्रकार एफएटीएफ की बढ़ी हुई निगरानी व्यवस्था में पाकिस्तान की वापसी को उचित ठहराया जा सकता है। नये भू–राजनीतिक गठबंधनों के कारण इस प्रयास में तेजी आने की संभावना है। दक्षिण एशिया पर हाल ही में अमेरिका की अस्पष्टता से उल्लेखनीय रूप से हटकर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहलगाम की घटना के बाद भारत के श्सभी रूपों में आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करनेश के अधिकार का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया है। पेरिस में एफएटीएफ मुख्यालय में भारत की वर्तमान पैरवी कथित तौर पर फ्रांस, जर्मनी और संयुक्त राज्य अमेरिका के समन्वय में की जा रही है– वे देश जिन्होंने पहले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद वित्तपोषण सुधारों के आधे–अधूरे कार्यान्वयन पर निराशा व्यक्त की थी। कहा जाता है कि भारतीय राजनयिक यह मामला बना रहे हैं कि पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद वित्तपोषण गतिविधियों को सक्षम करने या अनदेखा करने की स्पष्ट पुनरावृत्ति न केवल एक क्षेत्रीय खतरा है, बल्कि एक वैश्विक खतरा भी है, विशेष रूप से अफगानिस्तान में तालिबान के पुनरुत्थान और व्यापक मध्य पूर्व में बढ़ती अस्थिरता पर चिंताओं के मद्देनजर। एफएटीएफ की अगली पूर्ण बैठक जून में होने वाली है और सूत्रों का कहना है कि भारत इस समयसीमा में ही काम कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाकिस्तान की अनुपालन स्थिति के मुद्दे को एजेंडे में सबसे ऊपर रखा जाये। यह रणनीति पाकिस्तान के लिए विशेष रूप से कमजोर समय पर आयी है, जिसकी अर्थव्यवस्था मुद्रास्फीति, मुद्रा अवमूल्यन और घटते विदेशी भंडार के बोझ तले दबी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ देश की मौजूदा व्यवस्था 2025 के मध्य में समाप्त हो रही है, और नये बचाव कोष के लिए बातचीत कठिन होने की उम्मीद है। एफएटीएफ की ग्रे सूची में पाकिस्तान को फिर से शामिल करने का कोई भी कदम इन वार्ताओं को गंभीर रूप से जटिल बना देगा, जिसके परिणामस्वरूप ऋ ण की शर्तें सख्त हो सकती हैं या वितरण में देरी हो सकती है। इसके अलावा, अपर्याप्त धन शोधन नियंत्रण वाले क्षेत्राधिकार के रूप में टैग किये जाने से प्रतिष्ठा को होने वाला नुकसान निजी निवेशकों को हतोत्साहित करेगा और ऐसे समय में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को और ठंडा कर देगा जब इस्लामाबाद पूंजी आकर्षित करने के लिए बेताब है। इसके निहितार्थ केवल वित्तीय ही नहीं हैं। इस तरह के कदम से देश में राजनीतिक अस्थिरता भी बढ़ सकती है, जो पहले से ही तीव्र घरेलू उथल–पुथल और चल रहे नागरिक–सैन्य तनावों से जूझ रहा है। इस्लामाबाद जोर देकर कहता है कि उसने अपनी पिछली ग्रे लिस्टिंग के दौरान एफएटीएफ द्वारा अनिवार्य सभी 34 कार्रवाई मदों का पूरी तरह से पालन किया है और मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण से निपटने के लिए एक मजबूत ढांचा बनाये रखना जारी रखा है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने भारत पर श्संकीर्ण भू–राजनीतिक एजंडेश को आगे बढ़ाने के लिए बहुपक्षीय प्लेटफार्मों का फायदा उठाने का भी आरोप लगाया है और चेतावनी दी है कि इस तरह की कार्रवाइयों से क्षेत्रीय तनाव बढ़ सकता है। फिर भी, कूटनीतिक वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान की विश्वसनीयता पिछली कई तिमाहियों से अस्थिर बनी हुई है, खासकर पिछले उदाहरणों के बाद जब यह पाया गया कि यह प्रमुख सुधारों को लागू करने में अपने पैर खींच रहा है या अपनी धरती पर सक्रिय संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादियों पर मुकदमा चलाने में विफल रहा है। जैसे–जैसे एफएटीएफ अपने मध्य–वर्ष सत्र की तैयारी कर रहा है, दांव बढ़ते जा रहे हैं। भले ही कुछ सदस्य देश एक तकनीकी निकाय के राजनीतिकरण से सावधान हों, लेकिन 2018 का उदाहरणकृ जब भारत ने आतंकवाद के वित्तपोषण पर चिंताओं के बीच पाकिस्तान को ग्रे लिस्टिंग में डालने के लिए सफलतापूर्वक पैरवी की थीकृयह बताता है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और कूटनीतिक समन्वय तकनीकी अस्पष्टता पर भारी पड़ सकते हैं। भारत की अर्थव्यवस्था में उछाल और वैश्विक प्रभाव बढ़ने के साथ, यह आज खुद को बहुपक्षीय मंचों को प्रभावित करने के लिए सात साल पहले की तुलना में अधिक मजबूत स्थिति में पाता है। इसके अलावा, इजरायल–गाजा युद्ध, यूक्रेन संघर्ष और अफ्रीका और एशिया में फिर से उभर रही जिहादी गतिविधि से आकार लेने वाले वैश्विक सुरक्षा वातावरण ने आतंकवाद को फिर से अंतरराष्ट्रीय चिंता के केंद्र में ला दिया है, जिससे भारत के तर्कों के लिए ग्रहणशीलता का माहौल बन रहा है। पाकिस्तान की वित्तीय विश्वसनीयता को निशाना बनाकर, भारत केवल एक आतंकी हमले का जवाब नहीं दे रहा हैकृयह दक्षिण एशिया में रणनीतिक संतुलन को नया आकार देने की कोशिश कर रहा है। साथ ही, भारत की कार्रवाइयां अन्य शत्रुओं और क्षेत्रीय खिलाड़ियों को यह संकेत देती हैं कि वह अपनी सीमाओं के पार से होने वाले आतंकवादी कृत्यों के लिए बहुआयामी प्रतिक्रिया देगा – जिसमें आर्थिक और कूटनीतिक साधन भी शामिल होंगे।

जाति गणना पर संघ भाजपा की पल्टी

राजेन्द्र शर्मा

यह संयोग ही नहीं है कि इस दौरान एक बार फिर से वाइरल हो गयी, चुनाव के दौर के ही एक मीडिया साक्षात्कार की क्लिप में प्रधानमंत्री मोदी, जाति गणना की खासतौर पर कांग्रेस की मांग को नक्सलवादी सोच का हिस्सा बताकर खारिज करते नजर आते हैं। 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान ही पहले मुख्यमंत्री, आदित्यनाथ द्वारा दिया गया बंटेंगे तो कटेंगे का नारा और खुद प्रधानमंत्री द्वारा उसमें मामूली सुधार कर, इस नारे को एक हैं तो सेफ हैं में तब्दील किया जाना, जातिगणना की मांग को न सिर्फ विभाजनकारी करार देकर खारिज करता था बल्कि उसे विशेष रूप से हिंदुओं को बांटने का षडयंत्र बताकर, इस पूरे प्रश्न का सांप्रदायीकरण करने की भी कोशिश करता था। आखिरकार, नरेंद्र मोदी की सरकार ने जाति जनगणना कराने का एलान कर दिया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल के ताजातरीन फैसले के अनुसार, आने वाली आम जनगणना के साथ जाति गणना भी करायी जाएगी। लेकिन, यह आम जनगणना कब करायी जाएगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। जनगणना सामान्य रूप से 2020–21 में होनी थी, लेकिन कोविड के नाम पर एक बार उसके टाले जाने का सिलसिला शुरू हुआ, तो अब तक उसका टाला जाना बदस्तूर जारी ही है और 2025 तक तो उसने थमने का नाम नहीं लिया है। बहरहाल, केंद्र सरकार के जाति जनगणना संबंधी निर्णय की घोषणा के कुछ ही बाद में, दक्षिण भारत से एक केंद्रीय राज्य मंत्री द्वारा मीडिया को दी गयी जानकारी के अनुसार, 2026 में जनगणना करायी जा सकती है। याद रहे संसदीय व विधानसभाई सीटों के परिसीमन पर लगी 25 साल की रोक की मियाद भी 2026 में ही खत्म हो रही है और इस प्रकार, पहले जनगणना होगी और उसके बाद परिसीमन का काम आगे बढ़ाया जाएगा, जैसाकि परिसीमन पर रोक से संबंधित कानून का प्रावधान भी है। सभी जानते हैं कि दक्षिण भारत के राज्यों के लोकसभा में प्रतिनिधित्व के आनुपातिक रूप से घटने की आशंकाओं के मद्देनजर, लोकसभाई सीटों का परिसीमन पहले ही गंभीर रूप से विवादित हो चुका है, लेकिन हम यहां इस विवाद के विस्तार में नहीं जाएंगे। पर यहां हम यह जरूर ध्यान दिलाना चाहेंगे कि महिलाओं के लिए एक–तिहाई सीटों के आरक्षण के कानून का पालन, आने वाले परिसीमन के साथ जुड़ा हुआ है, जो जनगणना के बाद होना है। यानी अगली जनगणना के साथ परिसीमन तथा महिला आरक्षण जुड़े होने के कारण, इस जनगणना का पहले ही विशेष महत्व था। बहरहाल, आजादी के बाद पहली जातिगत गणना के नाते, इस जनगणना का महत्व और भी ज्यादा हो जाएगा। हैरानी की बात नहीं है कि अचानक नरेंद्र मोदी सरकार के जातिगत गणना कराने के फैसले से अनेक सवाल उठ खड़े हुए हैं। बेशक, कैबिनेट के उक्त निर्णय की घोषणा करते हुए, अश्विनी वैष्णव ने इस फैसले का भी आम तौर पर विपक्ष तथा खासतौर पर मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर हमले के हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने की कोशिश की। इस मुद्दे पर सत्ताधारी संघ–भाजपा के हमले का मुख्य स्वर तय करते हुए, वैष्णव ने दावा किया कि कांग्रेस शुरू से जातिगणना के खिलाफ रही है, कि जवाहरलाल नेहरू आरक्षण के खिलाफ थे, आदि, आदि। मकसद यह छवि बनाने का था कि संघ–भाजपा तो हमेशा से जातिगणना के पक्ष में थे। लेकिन, इस तरह की झूठी छवि निर्मित करने की कोशिशें तथा इसके लिए किए जाने वाले झूठे–सच्चे दावे अपनी जगह, यह सचाई किसी से छुपी हुई नहीं है कि पिछले आम चुनाव के समय तक, संघ–भाजपा की ओर से जातिगणना का बाकायदा विरोध किया जा रहा था। यह संयोग ही नहीं है कि इस दौरान एक बार फिर से वाइरल हो गयी, चुनाव के दौर के ही एक मीडिया साक्षात्कार की क्लिप में प्रधानमंत्री मोदी, जाति गणना की खासतौर पर कांग्रेस की मांग को नक्सलवादी सोच का हिस्सा बताकर खारिज करते नजर आते हैं। 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान ही पहले मुख्यमंत्री, आदित्यनाथ द्वारा दिया गया बंटेंगे तो कटेंगे का नारा और खुद प्रधानमंत्री द्वारा उसमें मामूली सुधार कर, इस नारे को एक हैं तो सेफ हैं में तब्दील किया जाना, जातिगणना की मांग को न सिर्फ विभाजनकारी करार देकर खारिज करता था बल्कि उसे विशेष रूप से हिंदुओं को बांटने का षडयंत्र बताकर, इस पूरे प्रश्न का सांप्रदायीकरण करने की भी कोशिश करता था। स्वाभाविक रूप से यह सवाल पूछा जा रहा है कि जाति गणना के मुद्दे पर संघ–भाजपा की इस पल्टी या हृदय परिवर्तन की वजह क्या है? इस प्रश्न का एक तात्कालिक जवाब तो, इस फैसले की टाइमिंग को लेकर ही दिया जा रहा है। बहुतों को लगता है कि यह संयोग ही नहीं है कि यह फैसला, आम तौर पर पहलगाम के आतंकवादी हमले की पृष्ठभूमि में और खासतौर पर तब आया है, जब आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देने के बड़े बोलों के बावजूद, मोदी सरकार पाकिस्तान के खिलाफ कुछ कूटनीतिक आक्रामकता दिखाने वाले कदमों के खिलाफ, कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पायी थी। दूसरी ओर, एक हफ्ते से ज्यादा हो जाने के बावजूद, पहलगाम की विभीषिका रचने वालों की निशानदेही करने तथा उन्हें सजा देने के मामले में भी उसे कोई कामयाबी नहीं मिली थी।उल्टे हताशा में कश्मीर में रक्षाबलों द्वारा उठाए गए दमनकारी कदमों ने, खासतौर पर कथित संदिग्ध आतंकवादियों के घर के बमों से उड़ाए जाने तथा नौजवानों की अंधाधुंध गिरफ्तारियों ने तथा रहस्यमय मौतों ने, पहलगाम में आतंकवादियों की दरिंदगी के खिलाफ कश्मीरी जनता के स्वतरूस्फूर्त विरोध को धक्का देने का ही काम किया था। न सिर्फ उमर अब्दुल्ला की चुनी हुई राज्य सरकार के आग्रह पर, जिसे केंद्र शासित क्षेत्र होने के नाते, राज्य पुलिस तक सुरक्षा के समूचे तंत्र के मामले में रत्तीभर दखल हासिल नहीं है, कथित आतंकवादियों के घर बम से उड़ाना रोकना पड़ा है बल्कि बहुत बड़े पैमाने पर न सही, फिर भी आम कश्मीरियों को घाटी में सुरक्षा बलों की ज्यादतियों के खिलाफ, सड़कों पर भी उतरना पड़ा था। इस समूची पृष्ठभूमि में अचानक आया जाति गणना का फैसला, मुश्किल सवालों और आलोचनात्मक स्वरों से, मोदी सरकार का और सबसे बढ़कर मोदी की छवि का बचाव करने की कोशिश नजर आता है। एक पूरी तरह से भिन्न मुद्दे को उछाल देने के जरिए ध्यान बंटाने की यह कोशिश इसलिए और भी जरूरी हो गयी है कि संघ–भाजपा के सारे प्रचार के बावजूद, सारी रोकथाम के बावजूद निकल कर आ रहे तथ्यों से यह आम धारणा ज्यादा से ज्यादा पुख्ता होती जा रही है कि पहलगाम की 26 मौतों के पीछे, एक बड़ी सुरक्षा चूक थी। ताजातरीन खबरों के अनुसार, पहलगाम की घटना से पहले सुरक्षा तंत्र के पास इसकी खुफिया जानकारी पहुंच चुकी थी कि इस बार आतंकवादी, पर्यटकों को निशाना बना सकते थे। इसी खुफिया जानकारी के आधार पर, श्रीनगर के आस–पास के इलाकों में पर्यटकों के होटलों को केंद्र बनाकर, आतंकवादी तत्वों की खोज, छानबीन के लिए छापेमारी वगैरह भी की गयी थी। लेकिन, इस कार्रवाई में कुछ हासिल नहीं हुआ। और जिस रोज, करीब पंद्रह दिन की यह छापामारी खत्म की गयी, उसी रोज पहलगाम में आतंकवादियों ने हमला कर दिया। उससे पहले बैसरन घाटी से किसी भी प्रकार की सुरक्षा बलों की उपस्थिति हटायी जा चुकी थी। इस गंभीर विफलता ने, मोदी सरकार के आतंकवाद की कमर तोड़ देने, आतंकवाद के अंतिम सांसें ले रहे होने आदि के दावों की जिस तरह धज्जियां उड़ा दी हैं, किसी नाटकीय सैन्य कार्रवाई के अभाव में उसकी चोट को, कोई अन्य नाटकीय कदम ही सहनीय बना सकता था। जाति गणना की घोषणा बखूबी यह भूमिका निभा सकती है। पहलगाम की विभीषिका की पृष्ठभूमि से जरा सा पीछे जाकर देखें तो, जाति गणना की घोषणा वक्फ संशोधन कानून की पृष्ठभूमि में दिखाई देती है।

मेरी मम्मी ज़्यादा टिप नहीं देती लेकिन वो जैसी हैं उनका बर्ताव, उनका काम , उनको देख कर मैंने बहुत कुछ सीखा है-

पलक तिवारी

संजय दत्त की हॉरर–कॉमेडी फिल्म 'द भूतनी 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हो चुकी है। फिल्म में सनी सिंह, पलक तिवारी, मौनी रॉय और आसिफ खान , संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आ रहे हैं और इस फिल्म का निर्देशन किया है सिद्धांत सचदेव ने। द भूतनी में संजय और मौनी पहली बार एक साथ नजर आए है और इसकी कहानी कॉलेज में एक आत्मा के इर्द–गिर्द घूमती है, जो हर वैलेंटाइन डे पर जागती है।

1 – द भूतनी ने आपको क्या सिखाया?

इस प्रोजेक्ट से ज़्यादा मेरा हमारे डायरेक्टर सिद्धांत सचदेव से मिलना बहुत जरूरी था। ये फिल्म डेढ़ साल पहले शूट हुई थी लेकिन रिलीज अब हुई वीएफएक्स के कारण। वैसे तो ये उनका भी फर्स्ट प्रोजेक्ट है डायरेक्शन डेब्यू किया है उन्होंने इस फिल्म से लेकिन वो बहुत काम कर चुके हैं। एक असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर उन्होंने कई फिल्में की हैं तो उनको बहुत एक्सपीरियंस है। लेकिन एक बात ये भी है कि एक डायरेक्टर होना सिर्फ लोगों को शूट करना नहीं होता, डायरेक्टर के काम में बहुत गहराइयां होती हैं। एक्टर को समझना डायरेक्टर को जरूरी है फिर ये भी जरूरी है कि एक्टर उस किरदार को समझे। हमारे लिए ये शायद इसलिए भी ज़्यादा आसान हो गया क्यूंकि सिद्धांत सचदेव ने ये फिल्म लिखी भी है। तो वो अपने किरदारों को जानते थे। पता नहीं उन्होंने मुझे देख कर समझ लिया लेकिन जिस तरह से उन्होंने मुझे अच्छा करने के लिए प्रेरित किया है वैसे मुझे आज तक किसी ने पुश नहीं किया और मैं जानती हूं कि मेरा करियर बहुत लिमिटेड रहा है। सबसे जरूरी कि आपका अपने डायरेक्टर पर भरोसा होना बहुत जरूरी है और मुझे उन पर पूरा भरोसा था।

2 – द भूतनी के सेट की वाइब कैसी थी? क्या सब फैमली बन गए थे?

दरअसल ये सेट फैमिली के बारे में है ही नहीं , ये सेट है मस्ती के बारे में और दोस्ती के बारे में। ये बहुत यंग फिल्म है क्यूंकि बहुत यंग लोगों के लिए ये फिल्म बनाई गई है। बहुत मस्ती वाली फिल्म थी और सेट भी बहुत मस्ती वाला था जहां कोई फालतू ड्रामा हो ही नहीं सकता था। बहुत बहुत प्यार करती हूँ हमारे को–स्टार्स को क्यूंकि वो बहुत ही ज़्यादा अच्छे और फनी हैं। तो शूटिंग करते वक्त तो मुझे बहुत ही ज़्यादा मजा आया।

3 – जब आप स्क्रिप्ट्स पढ़ती है तो कौनसा पॉइंट आपको नॉन नेगोशिएबल लगता है?

मैं प्रेरणा की बेटी हूँ तो मुझे रोना बहुत पसंद है, जब स्क्रिप्ट में रोना दिखता है तो मैं कहती हूँ कि मैं ये करूंगी। आंसू मुझे विरासत में मिले हैं। वैसे अब तक मैंने ऐसे रोल कई कर लिए हैं जहां मैं स्टोरी में ज़्यादा कुछ ऐड नहीं करती हूँ लेकिन अब मैं कुछ ऐसा चाहती हूँ जहाँ मैं स्टोरी में कुछ ऐड कर पाऊं। और जब पढ़कर मुझे लगता है कि मुझसे बेहतर ये रोल कोई और कर लेगा तो मैं इतनी अटैच होती ही नहीं उस रोल से, बेस्ट तो डायरेक्टर को ही पता है। लेकिन जो देखते ही मुझे लगता है कि मैं ये कर लुंगी तो वो तो मैं जरूर करती हूँ।

4 – आपकी मां श्वेता तिवारी ने ऐसी कौनसी गोल्डन टिप दी आपको जो आपको लगता है कि आप कभी नहीं छोड़ेंगी?

मम्मियां कभी टिप्स नहीं देती वो डांटती हैं मेरी मम्मी ज़्यादा टिप नहीं देती लेकिन वो जैसी हैं उनका बर्ताव , उनका काम , उनको देख कर मैंने बहुत कुछ सीखा है। और सबसे जरूरी चीज जो मैंने मम्मी से सीखी है वो ये कि वो अपने काम की इज़्जत बहुत करती हैं। उन्होंने मुझे सिखाया है कि काम ही पूजा है और पूजा काम है और इस चीज का मैं हमेशा ध्यान रखूंगी।

5–आगे कौन–कौन से प्रोजेक्ट आने वाले हैं जिनके बारे में आप बात कर सकती हैं?

ज़्यादा बात तो मैं नहीं कर सकती लेकिन हां मैं एक चीज पर काम कर रही हूँ जिससे मेरा दिल का जुड़ाव हो गया है, द भूतनी में भी मुझे मेरे किरदार से प्यार हो गया था। और अब इसके बाद भी जो मैं किरदार निभाने जा रही हूँ उससे भी मुझे बहुत ज़्यादा प्यार है और उससे भी ज़्यादा मुझे स्टोरी से प्यार है और स्टोरी से प्यार होना बहुत मुश्किल होता है। जब मैंने पहली बार उसकी स्क्रिप्ट पढ़ी तो मैं रोने लग पड़ी थी। उससे भी मुझे बहुत ज़्यादा उमीदें हैं।

आईपीएल 2025 सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट चार्ट में टॉप पर हैं एक्ट्रेस अनन्या पांडे !

अपने बढ़ते प्रभाव की एक प्रमुख मान्यता में, फिल्म अभिनेता अनन्या पांडे सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट पर नवीनतम टैम स्पोर्ट्स रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल 2025 के पहले 37 मैचों के दौरान टेलीविजन पर सबसे अधिक दिखाई देने वाला चेहरा बनकर उभरी हैं। सभी सेलिब्रिटी–एंडोर्स किए गए विज्ञापन वॉल्यूम में 9: हिस्सेदारी के साथ, अनन्या इस सीजन में सबसे आगे हैं, जो भारत के सबसे व्यावसायिक रूप से प्रभावशाली खेल आयोजनों में से एक के दौरान विज्ञापनदाताओं के लिए एक जाना–माना चेहरा बन गई हैं।अनन्या की उपलब्धि ब्रांड एसोसिएशन के एक मजबूत पोर्टफोलियो की बदौलत मिली है। उन्होंने हाल ही में लग्जरी फैशन हाउस चौनल के लिए पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर के रूप में इतिहास रच दिया, जिससे वैश्विक स्टाइल मैप पर उनकी स्थिति मजबूत हुई। घर वापस आकर, वह लैक्मे, स्वारोवस्की, अमेरिकन टूरिस्टर, ट्रेसेमे और कई अन्य सहित कई ब्रांडों का चेहरा बनी हुई हैं–प्रत्येक साझेदारी उनकी क्रॉस–कैटेगरी अपील और जेन जेड और मिलेनियल दर्शकों के साथ उच्च सापेक्षता का प्रमाण है। इस आईपीएल सीजन में विज्ञापनदाताओं ने कम, उच्च–प्रभाव वाले सेलिब्रिटी चेहरों पर अपना ध्यान केंद्रित किया है, जबकि सेलिब्रिटी–एंडोर्स किए गए विज्ञापनों की कुल हिस्सेदारी में 2: की वृद्धि हुई है। इस माहौल में, अनन्या की दृश्यता और प्रतिध्वनि ने उन्हें सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट परिदृश्य में सबसे आगे रखा है। अनन्या पांडे अगली बार लक्ष्य के साथ चांद मेरा दिल और कार्तिक आर्यन के साथ तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी में नजर आएंगी।

अमेरिकी टैक्स नीति पर महान फिल्मकारों ने दी अपनी राय, जानिए भारतीय सिनेमा पर इसका क्या होगा असर

हाल ही में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान में कहा कि अमेरिका में विदेशी फिल्मों पर 100 प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) लगाया जाएगा। इस बयान के बाद भारत समेत विश्व सिनेमा जगत में इसकी चर्चा तेज हो गई है। भारत की फिल्म इंडस्ट्री में इस फैसले को लेकर चिंता और सवाल दोनों उठाए जा रहे हैं। बॉलीवुड के कुछ जाने–माने फिल्मकारों ने इस मुद्दे पर स्पष्ट प्रतिक्रिया दी है और बताया कि इस फैसले का क्या असर भारतीय फिल्मों पर पड़ सकता है। प्रसिद्ध निर्देशक और निर्माता महेश भट्ट ने इस फैसले को अपेक्षित बताया, लेकिन उन्होंने कहा कि इसका असर व्यापक हो सकता है। यह होना तो तय था, लेकिन असल मुद्दा यह है कि इसका असर कितना गहरा होगा। क्या यह टैरिफ स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर भी लागू होगा? अमेरिका में तेलुगु फिल्मों की खासी डिमांड है। इस तरह के फैसले से हर भाषा की फिल्मों का प्रवाह प्रभावित होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पहले जहां एक डिस्ट्रीब्यूटर 100 रुपये में फिल्म लेता था, अब उसे 200 रुपये देने पड़ेंगे– यानी लागत सीधे दोगुनी हो जाएगी। फिल्म निर्देशक विक्रम भट्ट ने टैरिफ पर अपनी राय रखते हुए कहा कि इससे मध्यम और छोटे बजट की फिल्मों पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि वैसे भी उनकी पहुंच अमेरिका तक बहुत सीमित है। हमारी ज्यादातर फिल्में अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में रिलीज नहीं होतीं। सिर्फ बड़ी बजट की फिल्में ही वहां रिलीज होती हैं। टैरिफ बढ़ने से संभव है कि अब केवल मेगा–बजट फिल्में ही वहां जा सकें। वैसे भी हमारी फिल्मों की शूटिंग अमेरिका में नहीं होती, तो टैरिफ लगाने का कोई सीधा तर्क समझ नहीं आता।निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने इस मुद्दे पर एक कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह कदम भारत की फिल्म इंडस्ट्री के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विदेशी फिल्मों पर 100: टैरिफ लगाना पूरी तरह से गैरजरूरी और नुकसानदायक है। इससे भारत जैसे विकासशील देशों की फिल्म इंडस्ट्री को जबरदस्त झटका लग सकता है। अगर ये नीति लागू होती है, तो भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान को भी नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री से एकजुट होने और इस फैसले का विरोध करने की अपील की और कहा–हमारे फिल्म लीडर्स को सेल्फी और अवॉर्ड शोज से बाहर निकलकर इस गंभीर मसले पर ध्यान देना चाहिए। अगर यह टैरिफ लागू होता है, तो इसका सीधा असर अमेरिका में रिलीज होने वाली भारतीय फिल्मों पर पड़ेगा। इससे न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि फिल्मों की पहुंच सीमित हो सकती है, खासकर उन फिल्मों की जो पहले से ही सीमित बजट में बनती हैं।

कियारा आडवाणी ने गौरव गुप्त द्वारा बनाए गये कॉउचर में बेबी बंप किया फ्लॉन्ट

कियारा आडवाणी ने न्यूयॉर्क शहर के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में आयोजित मेट गाला में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराई और अपने लुक से प्रशंसकों का दिल जीत लिया। उन्होंने मेट गाला के ब्लू कार्पेट के लिए एक खूबसूरत लुक चुना। 2025 मेट गाला के लिए, थीम सुपरफाइनरू टेलरिंग ब्लैक स्टाइल, कॉउचरियर गौरव गुप्ता ने कियारा आडवाणी द्वारा पहना गया एक कस्टम कॉउचर क्रिएशन ब्रेवहार्ट्स का अनावरण किया। मातृत्व की यात्रा से पहले डिज़ाइन किया गया, मूर्तिकला लुक एक व्यक्तिगत मील का पत्थर और पहचान और वंश पर एक गहरा बयान दोनों है। मातृत्व और गाला की थीम को समर्पित अपने लुक के बारे में बात करते हुए कियारा ने कहा, ष्एक कलाकार और एक माँ के रूप में अपने जीवन के इस मोड़ पर मेट गाला में पदार्पण करना अविश्वसनीय रूप से विशेष है। जब मेरी स्टाइलिस्ट, अनाइता ने मेरा लुक डिज़ाइन करने के लिए गौरव से संपर्क किया, तो उन्होंने ब्रेवहार्ट्स बनाया, जो एक ऐसा विज़न है जो उस परिवर्तनकारी चरण का सम्मान करता है जिसमें मैं कदम रख रही हूँ और इसे इस साल के ड्रेस कोड टेलर्ड फॉर यू से खूबसूरती से जोड़ता है। एंड्रे लियोन टैली की विरासत से प्रेरित होकर, हमने इस बात पर विचार किया कि इरादे, व्यक्तित्व और ताकत के साथ दिखने का क्या मतलब है। यह उसी के लिए एक मौन श्रद्धांजलि है – यह एक अनुस्मारक है कि हम जो कुछ भी करते हैं वह अगली पीढ़ी के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा भले ही पत्नी कियारा आडवाणी के साथ मेट गाला 2025 के रेड कार्पेट पर नहीं चले, लेकिन वे हर कदम पर उनका साथ देते हुए उनके साथ थे। उन्हें कियारा को लॉबी तक ले जाते हुए देखा गया, जो अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं, और युगल को हाथों में हाथ डाले चलते हुए देखा गया।

हिना खान, अभिषेक कुमार से लेकर राहुल वैद्य तक, टीवी सेलेब्स ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दी प्रतिक्रिया

भारत ने आधी रात के बाद पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाते हुए 'आपरेशन सिंदूर' चलाया। भारतीय सेना ने बताया कि भारत ने उन आतंकी ढांचों को निशाना बनाया जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई और उन्हें अंजाम दिया गया। एक ऐतिहासिक संयुक्त अभियान में, भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना ने कल रात 1रू44 बजे पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकी ढाँचे पर सटीक हमले किए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के जवाब में की गई, जिसमें 26 नागरिकों की जान चली गई थी। भारत ने पाकिस्तान और पीओके में नौ स्थानों को निशाना बनाया, जिनका इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने के लिए किया जा रहा था। इस अभियान का कोड नाम श्ऑपरेशन सिंदूरश था, जिसका नाम पहलगाम हमले में अपने पतियों को खोने वाली महिलाओं को श्रद्धांजलि देने के लिए रखा गया था। इस निर्णायक कदम को देखते हुए हिना खान से लेकर राहुल वैद्य तक कई टीवी सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की है और श्जय हिंदश का नारा भी लगाया है।

हिना खान

हिना खान ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर खुशी जाहिर की है। हिना ने पोस्ट में लिखा, श्ऑपरेशन सिंदूर, जय हिंदश। एक्ट्रेस ने इसमें भारतीय तिरंगा राष्ट्रीय ध्वज भी जोड़ा है।

अभिषेक कुमार

लाफ्टर शेफ 2 के कंटेस्टेंट अभिषेक कुमार ने भी अपने इंस्टा स्टोरी पेज पर भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की आधिकारिक पोस्ट अपलोड करते हुए जय हिंद का नारा लगाया।

राहुल वैद्य

राहुल वैद्य ने भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की आधिकारिक पोस्ट अपलोड करते हुए एक लंबा संदेश लिखा है। गायिका ने लिखा, श्भगवान हमारे सशस्त्र बलों की रक्षा करें और उन्हें आतंकवादियों को नष्ट करने में सफलता प्रदान करें। जय हिंद।

तेजस्वी प्रकाश

तेजस्वी प्रकाश ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट करके भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, पाकिस्तान के खिलाफ सफल ऑपरेशन करने के लिए भारत को बधाई। अगर हमने इस ऑपरेशन में अपना राफेल खो दिया है, तो कोई बात नहीं। शाबाश जय हिंद।

देवोलीना भट्टाचार्जी

टीवी अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, तुमने धर्म पूछकर गोली मारी, अब तुम्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी, तुमने भारत की आत्मा पर हमला किया, अब तुम धूल में मिल जाओगे। ऑपरेशन सिंदूर, जय हिंद की सेना।

पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोग मारे गए थे

बता दें कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम के पास पांच हथियारबंद आतंकवादियों ने गैर–मुस्लिम पर्यटकों पर हमला किया था। इसमें करीब 29 निर्दोष लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर हिंदू पर्यटक थे। भारत ने अब ऑपरेशन सिंदूर के तहत इस हमले का बदला लिया है।

गर्मियों में ट्राई करें 4 लाइट कलर के खूबसूरत कुर्ता सेट, एलिगेंट लगेगा आपका लुक

गर्मियों का मौसम शुरू हो चुका है। वहीं तेज धूप के कारण और गर्मी से बचने के लिए लड़कियां ढीले और हल्के कपड़े पहनना पसंद करती हैं। वहीं अगर आप भी गर्मियों के मौसम में खूबसूरत आउटफिट की तलाश कर रही हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि इस गर्मी में भी आप अपने लुक को एलिगेंट बना सकती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे कुर्ता सेट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको ट्राई करके आप गर्मियों के मौसम में अपना कूल लुक क्रिएट कर सकती हैं।

लाइट पर्पल कलर स्ट्रेट कुर्ता

अगर आप गर्मी के मौसम में रोजाना ऑफिस या कॉलेज जाती है और ऐसे में कंफर्टेबल आउटफिट पहनना पसंद कर रही है, तो आपके लिए यह स्टाइलिश लाइट पर्पल कलर स्ट्रेट कुर्ता बेस्ट हो सकता है। इस कुर्ते के साथ आप वाइट कलर की पेंट या प्लाजो शामिल कर सकती हैं। यह कुर्ता आपको ऑनलाइन 700 रुपए तक मिल जाएगा।

राउंड नेक स्ट्रेट कट स्टाइल कुर्ता

अगर आप गर्मियों में कोई फंक्शन अटेंड करने वाली हैं, या फिर आप कंफर्टेबल कुर्ता देख रहे हैं। तो आप राउंड नेक स्ट्रेट कट स्टाइल कुर्ता कैरी कर सकती हैं। इसके साथ आप वाइट कलर की पैंट या फिर प्लाजो पहनकर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं। इसको आप 700 रुपए तक ऑनलाइन खरीद सकती हैं।

लाइट ब्लू वी नेक कुर्ता

अपने लुक को एलिगेंट टच देने और तेज गर्मी से बचने के लिए इस तरह के लाइट ब्लू वी नेक कुर्ता ट्राई कर सकती हैं। आप ऑफिस या कॉलेज भी इस तरह के कुर्ते पहनकर जा सकती हैं। इसके साथ आप एक्सेसरीज और हेयर स्टाइल बनाकर अपने लुक को एलिगेंट टच दे सकती हैं। यह कुर्ता आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल जाएगा। ऑनलाइन खरीदने पर यह ुर्ता आपको 700 रुपए तक मिल जाएगा।

राउंड नेक ब्लू कलर स्ट्रेट कुर्ते

गर्मियों में आप राउंड नेक ब्लू कलर स्ट्रेट कुर्ते भी कैरी कर सकती हैं। इस तरह के कुर्ते को आप वाइट पेंट या प्लाजो के साथ पेयर कर अपने लुक को खूबसूरत बना सकती हैं। आप चाहें तो इस कुर्ते को एक्सेसरीज में भी शामिल कर सकती हैं। इसको आप ऑफिस या फिर कॉलेज के अलावा किसी फंक्शन में भी ट्राई कर सकती हैं। आप ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों जगहों से यह कुर्ता खरीद सकती हैं।

दांत के सड़ने पर हो सकता है कैंसर का खतरा, जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

दांतों में सड़न होने से सिर और गर्दन के पास स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा नामक कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कैविटी के कारण दांत के अंदरूनी हिस्से से होते हुए गर्दन और सिर में गंभीर बीमारी हो सकती है। हालांकि कैविटी की वजह से सीधा कैंसर नहीं होता है। लेकिन इससे जो सूजन और संक्रमण फैलता है, वह धीरे–धीरे कैंसर का खतरा बढ़ाता है। इसलिए आपको इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या दांत सड़ने से कैंसर का खतरा हो सकता है। वहीं जिस कैविटी से पानी बाहर नहीं निकल पाता है, तो वहां पर क्रॉनिक सूजन की वजह से साइटोकाइन रिलीज होता है। इसके आसपास के टिशू में क्षति हो सकती है। रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीसीज की वजह से सूजन अधिक बढ़ती है। जिसकी वजह से सेल्स में परिवर्तन होने के साथ दांत सड़ता है।

ओरल इन्फेक्शन

बैक्टीरिया टॉक्सिन, फ्यूसोबैक्टीरियम न्यूक्लियेटम और पोर्फिरोमोनस जिंजिवलिस जैसे बैक्टीरिया भी दांतों में मिलते हैं। इनमें टॉक्सिन सेल्स बढ़ता है और बदलाव भी करता है।

खराब ओरल हाइजीन

इसके अलावा खराब ओरल हाइजीन भी एक रिस्क फैक्टर है, जोकि आमतौर पर बिना ट्रीटमेंट वाली कैविटी में मिलता है। इसको सिर और गर्दन के कैंसर का भी कारक माना गया है। वहीं खाब ओरल हाइजीन की वजह से तंबाकू और शराब जैसे कैंसरकारी कारकों के संपर्क में आने से भी मुंह में हानिकारक पदार्थों का जमाव हो सकता है।

एचपीवी की भूमिका

अगर मुंह के अंदर लंबे समय तक संक्रमण रहता है, तो इससे ह्यूमन पैपिलोमावायरस के संक्रमण का जोखिम बढ़ जाता है। यह गले के कैंसर से बहुत करीब से जुड़ा हुआ है।

ल्यूकोप्लाकिया या मुंह के घाव

जब भी हम मुंह के कैविटी या फिर इंफेक्शन का इलाज नहीं कराते हैं, तो ल्यूकोप्लाकिया नामक कैंसर से पहले होने वाले घाव हो सकते हैं। जोकि बाद में गंभीर बीमारी में भी बदल सकते हैं।

पोषक तत्वों की कमी

बता दें कि कैविटी की वजह से खाने में दर्द और परेशानी होती है। जिससे हमारी शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है। खासकर एंटी–ऑक्सीडेंट्स की कमी से डीएनए को सही करने के प्रोसेस में दिक्कत हो सकती है।

वट सावित्री व्रत 2025: जानिए तिथि, पूजा विधि, व्रत सामग्री और इसका धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व माना गया है। यह व्रत खासतौर पर विवाहित महिलाएं करती हैं। मान्यता है कि इस व्रत को श्रद्धा और नियमपूर्वक करने से पति की आयु लंबी होती है और दांपत्य जीवन में सुख–समृद्धि बनी रहती है। यह व्रत पौराणिक कथा सावित्री और सत्यवान की अमर प्रेम और दृढ़ संकल्प की याद दिलाता है, जिसमें सावित्री ने अपने पति को यमराज से भी वापस लाने का साहस दिखाया था।

वट सावित्री व्रत 2025 में कब है?

पंचांग के अनुसार, वट सावित्री व्रत हर साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को रखा जाता है। साल 2025 में यह तिथि 26 मई दिन सोमवार को है।

अमावस्या तिथि की शुरुआतः 26 मई 2025 को दोपहर 12 बजकर 11 मिनट से

अमावस्या तिथि का समापनः 27 मई 2025 को रात 8 बजकर 31 मिनट पर

उदयातिथि (सूर्योदय की तिथि) के अनुसार व्रत 26 मई को ही रखा जाएगा।

वट सावित्री व्रत कैसे रखें?

स्नान और तैयारीः इस दिन ब्रह्म मुहूर्त (सुबह जल्दी) में उठकर स्नान करें। स्वच्छ वस्त्र धारण करें और अपने घर के मंदिर में भगवान की पूजा करें। सूर्य देव को जल चढ़ाएं (अर्घ्य दें)।

वट वृक्ष के नीचे पूजाः व्रती महिलाएं (जो व्रत रख रही हैं) श्रृंगार करें। वट वृक्ष (बड़ के पेड़) के नीचे जाएं और वहाँ पहले साफ–सफाई करें। पूजा की जगह पर दीपक, अगरबत्ती जलाएं।

वट वृक्ष की पूजा विधिः वट वृक्ष की सात बार परिक्रमा करें। पेड़ की पूजा करें और वट सावित्री व्रत की कथा का पाठ करें। वृक्ष की डालियों में सूत (धागा) बांधें।

भोग लगाना और दान करनाः पूजा के बाद भगवान को भोग लगाएं। अंत में गरीबों को अन्न, धन और वस्त्रों का दान करें। यह माना जाता है कि इससे पुण्य की प्राप्ति होती है और परिवार में सुख–शांति बनी रहती है।

वट सावित्री व्रत की जरूरी सामग्री

देसी घी, भीगा हुआ काला चना, मौसमी फल, अक्षत (चावल), धूपबत्ती, वट वृक्ष की छोटी डाल, गंगाजल, मिट्टी का छोटा घड़ा, सुपारी, सिंदूर, हल्दी, मिठाई

व्रत के दौरान क्या न करें?

इस दिन किसी से वाद–विवाद न करें। किसी के प्रति गलत भावना न रखें और बुरा सोचने से बचें। किसी का अपमान न करें और पूरे दिन शांत व संयमित व्यवहार बनाए रखें। वट सावित्री व्रत नारी शक्ति, समर्पण और पति के लिए सच्चे प्रेम का प्रतीक है। यह व्रत न केवल पति की लंबी उम्र के लिए किया जाता है, बल्कि यह आत्मशुद्धि और पारिवारिक समृद्धि का भी माध्यम है।

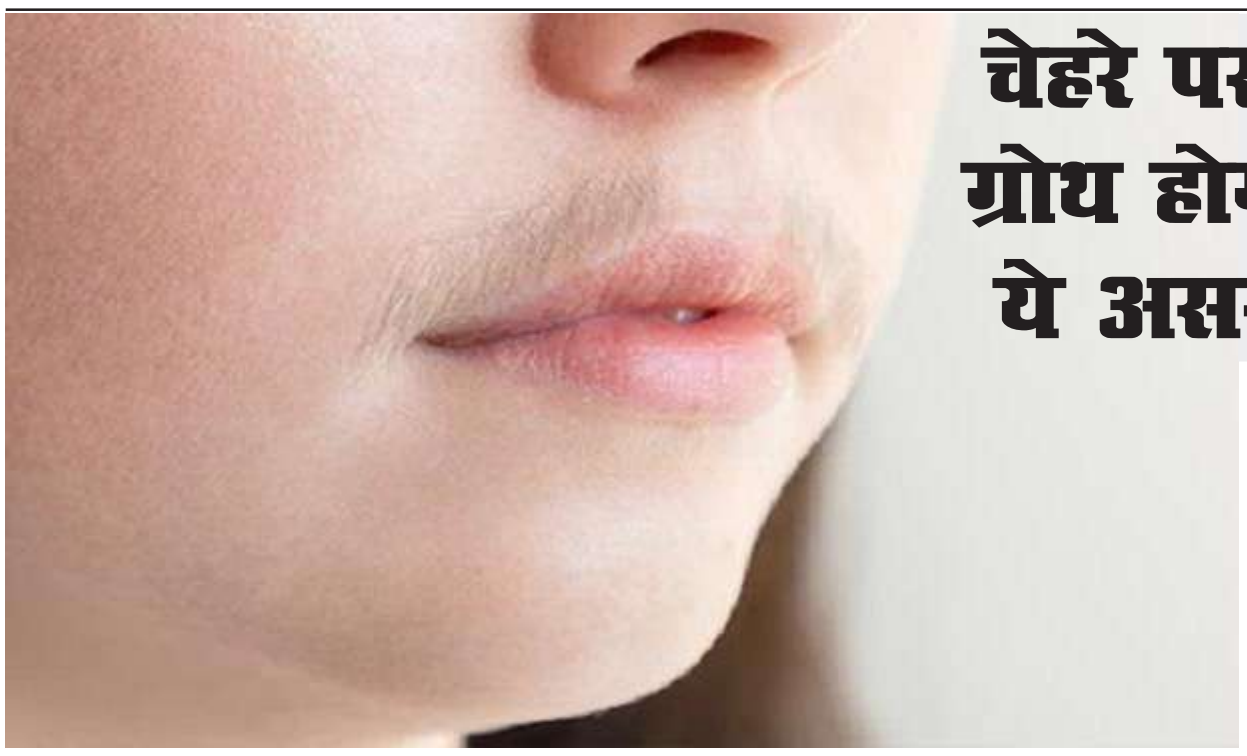

चेहरे पर आते बालों की ग्रोथ होगी कम, ट्राई करें ये असरदार घरेलू टिप्स

चेहरे पर अनचाहे बालों का आना महिलाओं के लिए चिंता और शर्मिंदगी का कारण बन सकता है। यह न सिर्फ सौंदर्य को प्रभावित करता है बल्कि आत्मविश्वास भी कम कर सकता है। खासतौर पर होंठों के ऊपर, ठुड्डी, गाल और माथे पर जब बाल ज्यादा दिखते हैं तो उन्हें बार–बार हटाना मुश्किल हो जाता है। हालांकि बाजार में इससे छुटकारा पाने के लिए कई उत्पाद और ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं, लेकिन अगर आप प्राकृतिक और सुरक्षित उपायों की तलाश में हैं, तो कुछ घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

चेहरे पर बाल आने के कारण

सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि चेहरे पर फेशियल हेयर क्यों आते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं–

हार्मोनल असंतुलन

महिलाओं के शरीर में सामान्य रूप से एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन जैसे हार्मोन ज्यादा होते हैं, लेकिन जब टेस्टोस्टेरोन (जो कि पुरुष हार्मोन होता है) का स्तर बढ़ने लगता है, तो वह शरीर पर पुरुषों जैसे लक्षण उत्पन्न करने लगता है। इससे आवाज भारी होना, पीरियड्स में अनियमितता और चेहरे पर बाल आना शामिल हो सकता है। यह स्थिति हिर्सूटिज्म कहलाती है, जिसमें महिला के चेहरे, सीने, पीठ और पेट जैसे हिस्सों पर मोटे और काले बाल आने लगते हैं। यह हार्मोनल बदलाव थायरॉइड की गड़बड़ी, स्ट्रेस, या कुछ दवाइयों के कारण भी हो सकता है।

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम

पीसीआएस एक आम स्त्री रोग है जो आजकल बहुत सी महिलाओं में देखने को मिल रहा है। इस स्थिति में ओवरीज में छोटे–छोटे सिस्ट बन जाते हैं और शरीर में एंड्रोजन (पुरुष हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है। यही हार्मोन फेशियल हेयर ग्रोथ को ट्रिगर करते हैं। पीसीओएस की वजह से महिलाओं को अनियमित पीरियड्स, मुंहासे, वजन बढ़ना, और बाल झड़ने जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। अगर इसका सही समय पर इलाज न किया जाए, तो यह भविष्य में बांझपन का कारण भी बन सकता है। इस कारण से चेहरे पर बार–बार बाल हटवाने के बावजूद उनका उगना जारी रहता है।

अनुवांशिक कारण

कई बार चेहरे पर अनचाहे बालों का आना किसी बीमारी या हार्मोनल बदलाव के कारण नहीं बल्कि परिवारिक प्रवृत्ति की वजह से होता है। अगर आपकी मां, बहन या नानी–दादी को चेहरे पर ज्यादा बाल आते थे, तो यह संभावना है कि आपको भी यही समस्या हो सकती है। यह एक जेनेटिक विशेषता होती है जिसे पूरी तरह खत्म करना मुश्किल होता है, लेकिन घरेलू उपायों और मेडिकल ट्रीटमेंट की मदद से इसकी तीव्रता को जरूर कम किया जा सकता है।

दवाइयों का असर

कुछ विशेष दवाइयां, जैसे कि स्टेरॉइड्स, कुछ हार्मोनल पिल्स या थायरॉइड की दवाएं, शरीर में हार्मोन के स्तर को प्रभावित कर सकती हैं। इससे चेहरे पर बाल बढ़ सकते हैं। लंबे समय तक ऐसी दवाओं का सेवन करने से शरीर के हार्मोन असंतुलित हो सकते हैं और इसके परिणामस्वरूप हिर्सूटिज्म जैसी स्थिति विकसित हो सकती है। यदि किसी महिला को किसी बीमारी के लिए लम्बे समय तक ऐसी दवाइयां लेनी पड़ रही हों, तो डॉक्टर से सलाह लेकर उनके विकल्प तलाशना जरूरी हो सकता है।

चेहरे के बालों की ग्रोथ रोकने के घरेलू उपाय

इन सभी कारणों के बावजूद, कुछ प्राकृतिक उपाय अपनाकर फेशियल हेयर ग्रोथ को कम किया जा सकता है। जैसे दृ हल्दी और बेसन का पेस्ट, नींबू–शहद की मालिश, पपीते का फेसपैक, ओट्स स्क्रब आदि। ये उपाय बालों की जड़ों को कमजोर करने और त्वचा को साफ, नर्म और चमकदार बनाए रखने में मदद करते हैं। ध्यान रखें कि घरेलू उपायों का असर धीरे–धीरे दिखता है, इसलिए इन्हें लगातार और धैर्य के साथ अपनाना जरूरी होता है।

हल्दी और बेसन का पैक

2 चम्मच बेसन, 1 चम्मच हल्दी और थोड़ा सा दूध या गुलाब जल मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से रगड़ें और सूखने दें। सूखने के बाद स्क्रब करते हुए धो लें। हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं और बेसन डेड स्किन के साथ बालों को भी हटाता है।

चीनी, नींबू और पानी का स्क्रब

1 चम्मच चीनी, 1 चम्मच नींबू का रस और थोड़ा पानी मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद हल्के हाथों से स्क्रब करें। चीनी एक नैचुरल एक्सफोलिएटर है और नींबू में ब्लीचिंग एजेंट होते हैं, जो बालों को हल्का और कम करते हैं।

अंडा और कॉर्नफ्लोर मास्क

1 अंडे का सफेद भाग, 1 चम्मच कॉर्नफ्लोर और 1 चम्मच चीनी मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और सूखने दें। जब यह पूरी तरह सूख जाए, तो धीरे–धीरे ऊपर की दिशा में खींचते हुए निकालें। यह मास्क वैक्स की तरह काम करता है और बालों को जड़ से निकालने में मदद करता है।

पपीता और हल्दी का पैक

थोड़ा सा कच्चा पपीता मैश करके उसमें एक चुटकी हल्दी मिलाएं। इसे प्रभावित हिस्से पर लगाएं और 15–20 मिनट बाद धो लें। पपीता बालों की जड़ों को कमजोर करता है और बालों की ग्रोथ धीमी कर देता है।

ओट्स और केले का स्क्रब

1 चम्मच ओट्स पाउडर और 1 पका हुआ केला मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 10 मिनट तक स्क्रब करें और फिर पानी से धो लें। यह स्क्रब त्वचा को मुलायम बनाता है और धीरे–धीरे फेशियल हेयर की ग्रोथ को कम करता है।

क्या न करें

बार–बार रेजर का उपयोग करने से बाल मोटे और जल्दी उग सकते हैं। बाजार में मिलने वाले ब्लीच और हेयर रिमूवर क्रीम्स से एलर्जी या रिएक्शन हो सकता है। बिना डॉक्टरी सलाह के हार्मोनल दवाइयों का सेवन न करें।

चेहरे पर अनचाहे बालों से छुटकारा पाने के लिए घरेलू उपाय एक बेहतर और सुरक्षित विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, अगर समस्या ज्यादा बढ़ रही है या हार्मोनल असंतुलन का शक है, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी है। प्राकृतिक उपायों को ध ैर्य के साथ अपनाएं, क्योंकि इनके परिणाम धीरे–धीरे मिलते हैं, लेकिन लंबे समय तक टिके रहते हैं।

एक परफेक्ट समर ट्रीट है मैंगो ग्रीन टी पॉप्सिकल्स, घर पर जरूर करें ट्राई

गर्मी की तपती धूप में अगर कुछ ठंडा, तरोताजा और स्वाद से भरपूर मिल जाए तो दिन बन जाता है। इसीलिए गर्मियों को खास, मजेदार और ठंडा बनाने के लिए हम आपके लिए एक अनोखी और हेल्दी रेसिपी लेकर आए हैं। ये है मैंगो ग्रीन टी पॉप्सिकल्स। जब आम की मिठास और ग्रीन टी की सुकून देने वाली ठंडक पॉप्सिकल्स में एक साथ मिलती है, तो गर्मी को मात देने के लिए एक बेहतरीन कूल कॉम्बिनेशन बनता है, जो न सिर्फ आपके मन को खुश करेगा बल्कि आपके शरीर को भी तरोताजा कर देगा। तो चलिए, जानते हैं इसे घर पर कैसे बनाएं।

मैंगो ग्रीन टी पॉप्सिकल्स बनाने के लिए आपकी क्या चाहिए?

ग्रीन टी लेयर के लिए सामग्रीरू 1 चम्मच माचा ग्रीन टी पाउडर, घ कप फुल–फैट कोकोनट मिल्क (या लाइट) और 1दृ 1.5 चम्मच मेपल सिरप, एगेव या शहद

आम की लेयर के लिए सामग्रीरू 1 कप ताजा आम, (कप लाइट कोकोनट मिल्क (या फुल–फैट) और) मध्यम नींबू का रस

मैंगो ग्रीन टी पॉप्सिकल्स बनाने की विधि क्या है?

मैंने पहले ग्रीन टी की लेयर ऊपर और आम की नीचे रखने का फैसला किया। इसलिए, मैंने एक ब्लेंडर में माचा, कोकोनट

मिल्क और स्वीटनर मिलाकर ग्रीन टी की लेयर तैयार की और इसे सिल्की होने तक ब्लेंड किया। इस मिश्रण को पॉप्सिकल मोल्ड्स में आधा भरकर डाला और थोड़ा जमने के लिए 30 मिनट तक फ्रीज किया। इसके बाद, मैंने ताजे आम के टुकड़ों को कोकोनट मिल्क और नींबू के रस के साथ ब्लेंड कर आम की लेयर तैयार की और इसे जमी हुई ग्रीन टी की परत पर डाला। अंत में, पॉप्सिकल स्टिक डाली और इसे कम से कम 4 घंटे के लिए या रात भर के लिए फ्रीजर में रख दिया।

संक्षिप्त

उतार-चढ़ाव के बाद बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 105 अंक चढ़ा; जानें निफ्टी का हाल

मुंबई। भारत के पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमलों के बीच शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी उतार–चढ़ाव देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 30.14 अंक गिरकर 80,610.93 पर पहुंचा और निफ्टी 5.75 अंक गिरकर 24,377.70 अंक पर पहुंचा। हालांकि बाद में बाजार संभला। बुधवार को सेंसेक्स 105.71 अंक बढ़कर 80,746.78 पर बंद हुआ; निफ्टी 34.80 अंक बढ़कर 24,414.40 की बढ़त के साथ बंद हुआ।

बाजार पर असर पड़ने की संभावना नहीं

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, श्बाजार के नजरिए से श्ऑपरेशन सिंदूरश् में जो बात सबसे अलग है, वह है इसका केंद्रित और गैर–उग्र प्रकृति। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि भारत के इन सटीक हमलों पर दुश्मन कैसे प्रतिक्रिया करता है। भारत की ओर से किए गए जवाबी हमले से बाजार पर असर पड़ने की संभावना नहीं है, क्योंकि बाजार को पहले से ही इसकी जानकारी थी।

किसे फायदा–किसे नुकसान?

सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, नेस्ले, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईटीसी नुकसान में दिखे। ऐसे ही टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, टाइटन, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक और भारतीय स्टेट बैंक फायदे में कारोबार कर रहे थे। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 3,794.52 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

एशियाई और अमेरिकी बाजार का हाल

एशियाई बाजार में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225, शंघाई का एसएसई कंपोजिट इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे।

भारत-यूके में मुक्त व्यापार समझौता, लेकिन हीरे-चांदी समेत इन सामानों पर शुल्क में कोई छूट नहीं देगी सरकार

नई दिल्ली। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते के तहत भारत कुछ सामानों पर ब्रिटेन के उद्योगों को शुल्क में कोई छूट नहीं देगा। जिन सामानों पर शुल्क में छूट नहीं दी जाएगी, उनमें हीरे, चांदी, स्मार्टफोन और ऑप्टिकल फाइबर आदि शामिल हैं। वहीं समझौते के तहत ब्रिटेन से आयात होने वाले पेट्रोल और डीजल इंजन वाहनों पर भी शुल्क में सीमित छूट मिलेगी। दोनों देशों के बीच इस पर सहमति बनी है।

इन सामानों को एफटीए से रखा गया बाहर

मुक्त व्यापार समझौते के तहत ब्रिटेन से रियायती सीमा शुल्क दर पर आयात होने वाले ब्रिटिश इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के आयात का कोटा भी केवल कुछ हजारों तक सीमित है। वहीं संवेदनशील औद्योगिक उत्पादों जैसे प्लास्टिक, हीरा, चांदी, स्मार्टफोन, टेलीविजन कैमरा ट्यूब, ऑप्टिकल फाइबर बंडल और केबल को भी एफटीए से बाहर रखा गया है। इसके चलते इन सामानों के आयात पर भारत द्वारा ब्रिटेन को कोई लाभ नहीं दिया जाएगा। एफटीए के तहत भारत के ऑटो सेक्टर को खोला गया है। इसके तहत ऑटोमोटिव आयात पर शुल्क 100 प्रतिशत से 10 प्रतिशत हो जाएगा, जिससे टाटा–जेएलआर जैसी कंपनियों को लाभ होगा। आईसीई (आंतरिक दहन इंजन) वाहनों के लिए ब्रिटेन बाजार तक पहुंच से देश के ऑटो और ऑटो घटकों के निर्यात को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

भारतीय कार निर्माताओं को मिल सकता है फायदा

भारत और यूके ने मंगलवार को ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम करेगा और ब्रिटिश फर्मों के लिए भारत को व्हिस्की, कार और अन्य उत्पादों का निर्यात करना आसान बना देगा। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। एफटीए का उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 60 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर दोगुना करना है। एफटीए के तहत भारत के ऑटो उत्पाद ब्रिटेन के बाजार में बिक सकेंगे और भारतीय ग्राहक, ब्रिटेन की प्रीमियम कारों को अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर खरीद सकेंगे। इसका असर भारतीय कार निर्माताओं पर पड़ने की आशंका कम है क्योंकि अधिकतर भारतीय अभी भी बजट वाहनों को प्राथमिकता देते हैं। इसके अलावा, एफटीए के तहत, भारत ने सिरेमिक, पेट्रोलियम उत्पादों, कार्बन, लाल फास्फोरस, सल्फ्यूरिक एसिड, बोरिक एसिड, विमान इंजन और इंजीनियरिंग उपकरण जैसे रसायनों पर शुल्क समाप्त करने के लिए लंबी अवधि ली है। 2023–24 में, ब्रिटेन को भारत का माल निर्यात 12.92 अरब अमरीकी डॉलर था, जबकि आयात 8.41 अरब अमरीकी डॉलर था।

तीन फीसदी से नीचे आ सकती है खुदरा महंगाई, खाद्य कीमतों में गिरावट बेहतर प्रबंधन का नतीजा

ऊंची ब्याज दरों से राहत मिलने के बाद अब आम लोगों को महंगाई से भी राहत मिल सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल के आंकड़ों में खुदरा महंगाई की दर तीन फीसदी से नीचे जा सकती है। इसके आंकड़े अगले हफ्ते जारी होंगे। पिछले कुछ समय से खाद्य वस्तुओं खासकर दालों और सब्जियों के भाव में भारी गिरावट आई है जिसका असर खुदरा महंगाई पर दिखेगा। रिपोर्ट के अनुसार, खुदरा महंगाई में कमी से आरबीआई को दरों में कटौती का और अवसर मिलेगा। जून में होने वाली बैठक में रेपो दर में ज्यादा कटौती हो सकती है। टमाटर, प्याज और आलू उत्पादक राज्यों में गर्मी में कमी आई है। टमाटर की खुदरा कीमत अगस्त, 2024 के बाद से सबसे कम हो गई है। यह अप्रैल, 2025 में सालाना आधार पर 34.4% कम हो गई है। आलू और प्याज की कीमतें अप्रैल, 2025 में सालाना आधार पर क्रमशः 11% और 5.7% घटी हैं।

प्लेऑफ के लिए कोलकाता को हर हाल में जीतना होगा मैच, सामने होगी चेन्नई की चुनौती

कोलकाता। पांच बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ की दौड़ से भले ही बाहर हो चुकी है, लेकिन उनके कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का जलवा पहले की तरह बरकरार है। खासतौर पर बात कोलकाता की हो तो उन पर धोनी का बुखार चढ़ते देर नहीं लगती है। फिर क्रिकेट प्रेमियों के दिमाग में इस बार यह बात घर कर गई है कि ओनी का यह अंतिम आईपीएल हो सकता है और उनका यह इंडन गार्डन पर अंतिम मुकाबला होगा। यही कारण है कि कोलकाता नाइट राइडर्स और सीएसके के बीच होने वाले मुकाबले में इंडन गार्डन पीले रंग में रंग सकता है।

कोलकाता में मिल सकता है धोनी को समर्थन

कोलकाता ऐसा शहर है, जिससे धोनी के करीब संबंध हैं। उनकी ससुराल पक्ष के लोग इसी शहर में रहते हैं और उन्होंने जूनियर क्रिकेट में अपना अधिकतर समय इसी शहर में बिताया है। ऐसे में बुधवार को दिन इस 43 वर्षीय खिलाड़ी और उनके प्रशंसकों के लिए भावनात्मक हो सकता है। चेन्नई की टीम पिछले मैच में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु से दो रन से हार गई थी।

धोनी ने इस मैच में आठ गेंद पर 12 रन बनाए लेकिन वह अंतिम ओवर की तीसरी गेंद पर आउट हो गए जिससे चेन्नई की टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई थी। धोनी ने मैच के बाद हार की जिम्मेदारी ली थी।

केकेआर को जीतने होंगे बाकी तीन मैच

चेन्नई सुपर किंग्स के पास अब खोने के लिए कुछ नहीं है, लेकिन वह दूसरी टीमों का समीकरण जरूर बिगाड़ सकती है। टीम इस मैच में अधिक स्वच्छंद होकर खेलेगी। वहीं, केकेआर को प्लेऑफ के लिए बाकी बचे तीनों मैच में जीत हासिल करनी होगी। कोलकाता नाइटराइडर्स के अभी 11 अंक हैं और अगले तीनों मैच में जीतने पर उसके 17 अंक हो जाएंगे। तीन मैच जीतकर भी

कोलकाता प्लेऑफ पहुंचेगा या नहीं, यह भी अभी पक्का नहीं है।

रसेल से फिर आस

सीएसके के बाद कोलकाता को हैदराबाद और आरसीबी के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना है। ये मैच आसान नहीं होंगे। कोलकाता ने पिछले मुकाबले में राजस्थान पर एक रन से जीत दर्ज की थी। अजिंक्य रहाणे की टीम जीत की लय को कायम रखना चाहेगी। केकेआर के आंद्रे रसेल ने राजस्थान के खिलाफ सत्र का पहला अर्धशतक जड़ा। रसेल अगले तीन मैचों में भी पिछले मैच की तरह खेले तो कुछ भी हो सकता है।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग 11 इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स : डेवोन कॉनवे/रचिन रवींद्र , आयुष म्हात्रे, सैम करन, रवींद्र जड़ेजा, शिवम दुबे, दीपक हुडा, एमएस धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), नूर अहमद, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, मथीशा पथिराना। इम्पैक्ट प्लेयररू रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर।

कोलकाता नाइट राइडर्स : रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सुनील नरेन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, मोइन अली, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा। इम्पैक्ट प्लेयररू हर्षित राणा।

MI के कप्तान हार्दिक पर चला BCCI का चाबुक, GT के कोच नेहरा भी आए लपेटे में, दोनों पर भारी जुर्माना

मुंबई। आईपीएल 2025 में मंगलवार को वानखेड़े में खेले गए रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने मुंबई इंडियंस को आखिरी गेंद पर हरा दिया। आखिरी ओवर में गुजरात को जीत के लिए 15 रन की दरकार थी, जिसे गुजरात ने आखिरी गेंद पर हासिल किया। बारिश से बाधित इस मैच में गुजरात को जीत के लिए 19 ओवर में 147 रन की जरूरत थी। राहुल तेवतिया, गेराल्ड कोएत्जी और अरशद खान ने मिलकर गुजरात को जीत दिलाई। हार के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या और मैदान पर उतरने वाली पूरी एमआई टीम पर भारी जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा गुजरात के कोच आशीष नेहरा पर भी बीसीसीआई का चाबुक चला है।

हार्दिक के साथ पूरी टीम लपेटे में

हार्दिक और उनकी टीम पर धीमी ओवरगति के लिए भारी जुर्माना लगाया गया है, जबकि नेहरा पर खेलभावना के विपरीत आचरण के लिये जुर्माना और डिमेरिट अंक लगाए गए हैं। मुंबई को गुजरात ने डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर तीन विकेट से हराया था। आईपीएल ने एक बयान में कहा, श्यह आईपीएल आचार संहिता के तहत इस सत्र में उनकी टीम का धीमी ओवरगति का दूसरा अपराध था। हार्दिक पर 24 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया है, जबकि मुंबई की बाकी टीम और सब्सटीट्यूट खिलाड़ियों पर छह लाख रूपये या उनकी मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो कम हो, जुर्माना लगाया गया है।

नेहरा पर क्यों लगा जुर्माना?

नेहरा की गलती के बारे में विज्ञप्ति में बताया नहीं गया, लेकिन बार बार बारिश के कारण मैच रुकने के दौरान उन्हें आपा खोते देखा गया। वह मैदानी अंपायरों से भी बार बार बात कर रहे थे। आईपीएल ने कहा, श्गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के कारण एक डिमेरिट अंक भी लगाया गयाझ उन्होंने लेवल एक का अपराध किया है जो खेलभावना के विपरीत आचरण के संबंध में है। उन्होंने सजा स्वीकार कर ली है।

मुंबई ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 155 रन बनाए थे। उनके लिए विल जैक्स ने सर्वाधिक 53 रनों की पारी खेली। इसके बाद गुजरात की पारी के 18वें ओवर के बाद बारिश ने दस्तक दी और मुकाबला रोक दिया गया। उस वक्त गेराल्ड कोएत्जी और राहुल तेवतिया 5–5 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। गुजरात का स्कोर 132/6 था। अब उन्हें जीत के लिए आखिरी दो ओवरों में 24 रनों की दरकार थी। हालांकि, बारिश के कारण मैच देरी से शुरू हुआ और डीएलएस मैथड के आधार पर उन्हें 19 ओवर में 147 रन का नया लक्ष्य मिला।

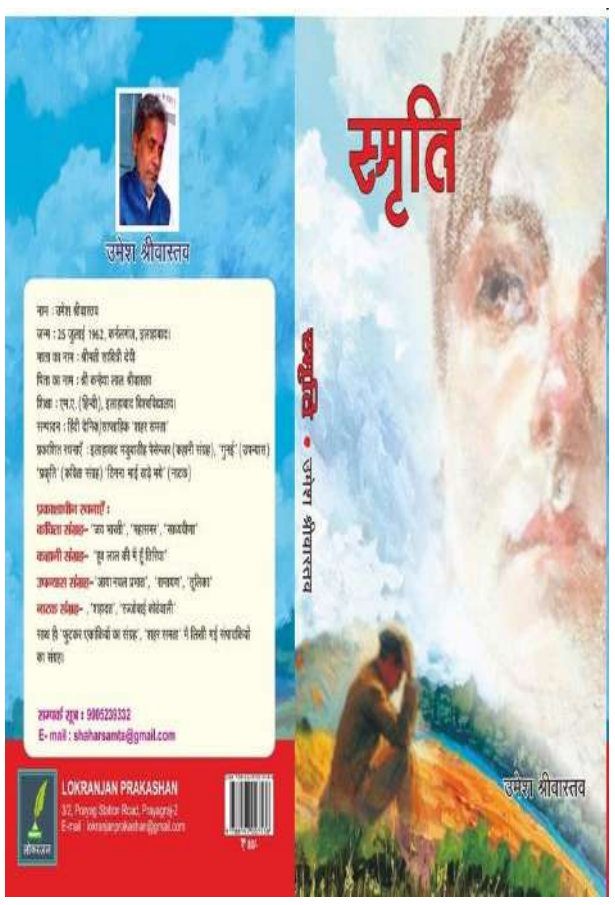

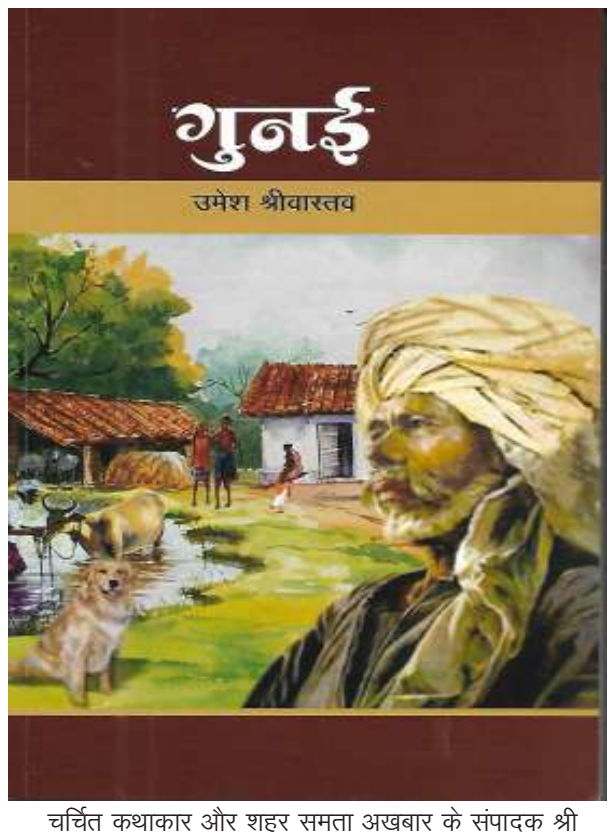

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

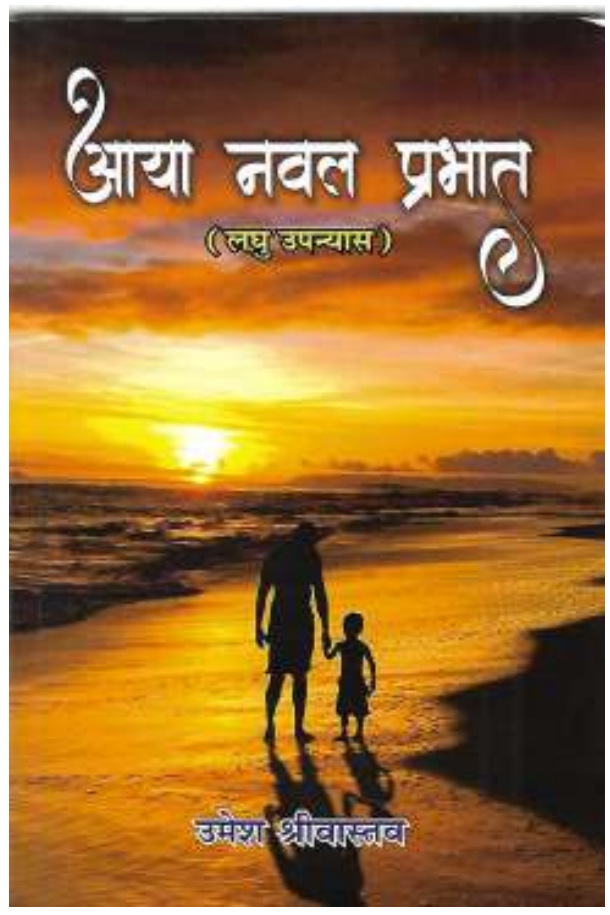

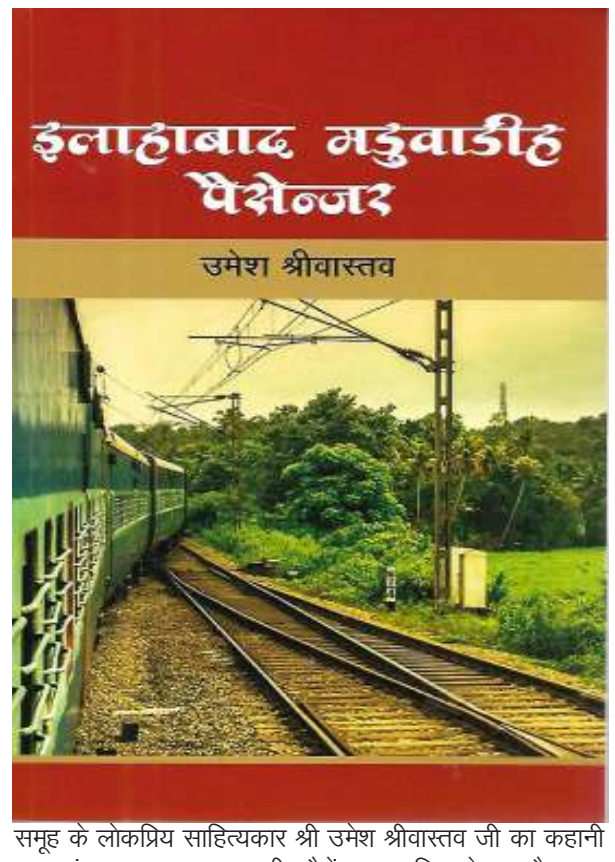

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

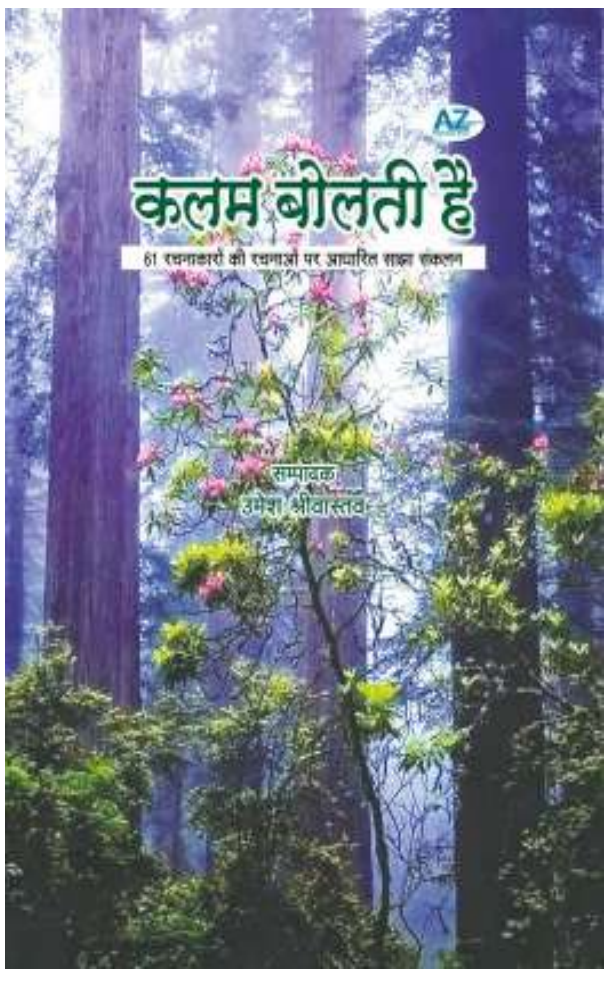

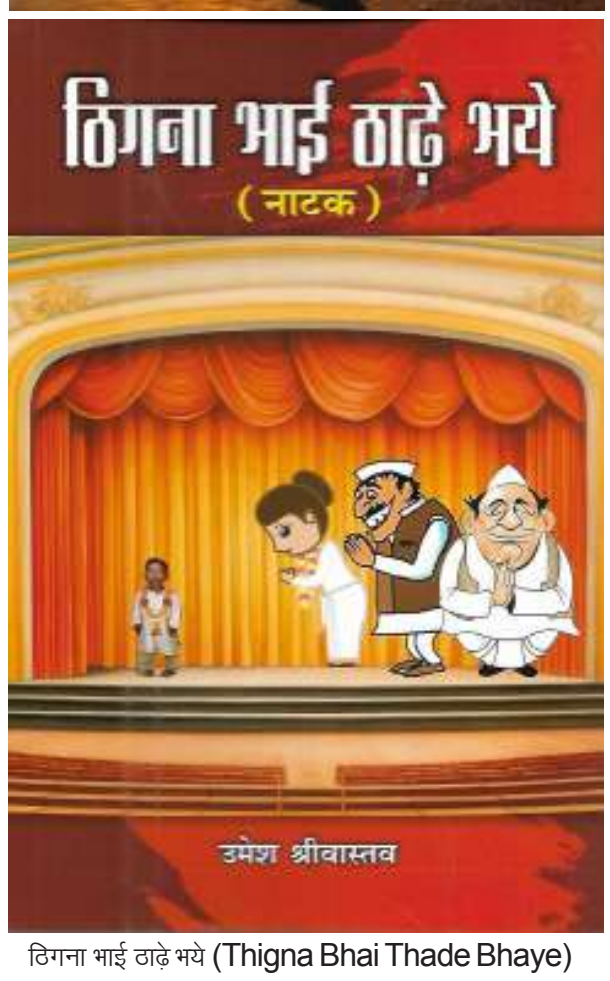

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पाकिस्तान के पंजाब में आपातकाल, संसद को संबोधित करेंगे शहबाज; 48 घंटे के लिए एयरस्पेस बंद

लाहौर / इस्लामाबाद। भारत के श्ऑपरेशन सिंदूरश के बाद पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बुधवार को आपातकाल घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही सभी स्कूल–कॉलेज बंद कर दिए गए हैं और अस्पतालों में डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। बता दें कि, पहलगाम आतंकी हमले और भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान में हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। वहीं पाकिस्तान सेना के अनुसार, भारतीय मिसाइल हमलों में अब तक कम से कम 26 लोगों की मौत हुई है और 46 लोग घायल बताए जा रहे हैं। ये हमले आधी रात के बाद पंजाब प्रांत और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के कई शहरों पर किए गए।

पंजाब की मुख्यमंत्री ने आपातकाल का किया एलान

पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने पूरे पंजाब में आपातकाल लागू करने की घोषणा की है। एक सरकारी बयान में कहा गया कि पंजाब पुलिस और सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सभी डॉक्टरों और अस्पताल कर्मियों की छुट्टियां तुरंत रद्द कर दी गई हैं और उन्हें ड्यूटी पर वापस बुलाया गया है। जिला प्रशासन को भी पूरी तरह सतर्क कर दिया गया है।

स्कूल–कॉलेज बंद, उड़ानों पर असर

आपातकाल के चलते पंजाब में बुधवार को सभी शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए हैं। वहीं, भारतीय हमले के बाद पाकिस्तान ने अपनी एयरस्पेस भी बंद कर दी थी। हालांकि आठ घंटे बाद इसे आंशिक रूप से खोला गया। कराची और लाहौर से कुछ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें फिर शुरू हुईं, लेकिन लाहौर का हवाई क्षेत्र फिर से 24 घंटे के लिए बंद कर दिया गया है।

ऑपरेशन सिंदूररू भारत का बदला

भारतीय सेना ने यह हमला ऑपरेशन सिंदूर के तहत किया। यह ऑपरेशन 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। भारत ने पाकिस्तान और पीओके में मौजूद नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल से हमला किया है।

पाकिस्तान की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की बैठक

इस हमले के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल (एनएससी) की आपात बैठक बुलाई। इसमें सेना प्रमुख, मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दो घंटे तक चली इस बैठक में सुरक्षा स्थिति पर गहन चर्चा हुई। हालांकि बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा अभी नहीं की गई है। प्रधानमंत्री ने दोपहर बाद कैबिनेट की बैठक भी बुलाई है और कहा कि वे संसद में भाषण के जरिए देश को हालात की जानकारी देंगे।

पाकिस्तानी सेना का दावा

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारतीय वायुसेना के किसी भी विमान को पाकिस्तान की सीमा में घुसने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एयरफोर्स के सभी संसाधन सुरक्षित हैं।

कराची एयरपोर्ट पर भारी भीड़

उधर कराची के जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भारी भीड़ देखी गई, क्योंकि वहां से देरी से चल रही उड़ानें फिर शुरू की गईं। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के प्रवक्ता ने बताया कि पश्चिम एशियाई देशों और अन्य अंतरराष्ट्रीय उड़ानें अब अपने निर्धारित समय के अनुसार चल रही हैं। घरेलू उड़ानें भी फिलहाल सामान्य रूप से जारी हैं।

पाकिस्तान ने एयरस्पेस 48 घंटे के लिए बंद किया

भारत के हमलों के तुरंत बाद पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र को 48 घंटे के लिए बंद कर दिया। इस कारण इस्लामाबाद, लाहौर और रावलपिंडी में उड़ानें रद्द कर दी गईं। हालांकि बाद में आठ घंटे के भीतर आंशिक रूप से उड़ानें बहाल की गईं। कराची एयरपोर्ट से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें फिर से शुरू हुईं, लेकिन लाहौर एयरस्पेस को फिर 24 घंटे के लिए बंद कर दिया गया। कराची के जिन्ना एयरपोर्ट पर भारी भीड़ देखी गई, जहां यात्री देरी से उड़ानें पकड़ने के लिए जुटे थे।

भारत–पाकिस्तान सीमा पर बढ़ी तैनाती

भारत और पाकिस्तान की सीमा पर भी तनाव बढ़ गया है। दोनों देशों ने अपनी सैन्य तैनाती बढ़ा दी है। पंजाब और राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में भारतीय सेना हाई अलर्ट पर है, जबकि पाकिस्तान ने भी अपनी सेना को सतर्क कर दिया है। सीमा के गांवों में लोग डरे हुए हैं और कई परिवार सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं।

संक्षिप्त

पाकिस्तान से जंग नहीं चाहता भारत, लेकिन फिर कोई हिमाकत की तो...अजीत डोभाल ने चीन को फोन कर अच्छे से समझा दिया

ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ जगहों पर आतंकवादियों और आतंकवादी ढांचे पर लक्षित हमलों के तुरंत बाद, एनएसए अजीत डोभाल ने कई देशों के अपने समकक्षों से बात की, जिनमें अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो, यूके एनएसए जोनाथन पॉवेल, सऊदी एनएसए मुसैद अल ऐबन, यूएई एनएसए शेख तहनून, यूएई के एनएससी के महासचिव अली अल शम्सी और जापान के एनएसए मसाटाका ओकानो शामिल हैं। रूसी एनएसए

सर्गेई शोइगु, चीन के विदेश मंत्री वांग यी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल बोने के कूटनीतिक सलाहकार से भी संपर्क स्थापित किया गया। एनएसए डोभाल ने अपने समकक्षों को की गई कार्रवाई और निष्पादन के तरीके के बारे में जानकारी दी, जो कि मापा हुआ, गैर–बढ़ाने वाला और संयमित था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का इरादा तनाव बढ़ाने का नहीं है, लेकिन अगर पाकिस्तान तनाव बढ़ाने का फैसला करता है तो वह दृढ़ता से जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। एनएसए डोभाल ने चीन से दो टूक शब्दों में कहा है कि भारत पाकिस्तान से जंग नहीं चाहता, लेकिन अगर उसने कोई हिमाकत की तो करारा जबाब मिलेगा। गौरतलब है कि भारती की कार्रवाई के बाद चीन के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा था कि हम मौजूदा स्थिति को लेकर चिंतित हैं। भारत और पाकिस्तान एक दूसरे के पड़ोसी हैं और हमेशा रहेंगे। वे दोनों चीन के पड़ोसी भी हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले का स्पष्ट संदर्भ देते हुए उसने कहा कि चीन हर तरह के आतंकवाद का विरोध करता है। इसमें कहा गया, हम दोनों पक्षों से शांति व स्थिरता के व्यापक हित के लिए काम करने, शांति कायम रखने, संयम बरतने और ऐसी कार्रवाई करने से बचने का आग्रह करते हैं जिससे स्थिति और जटिल हो सकती है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुतारेस ने भारत, पाकिस्तान से अधिकतम सैन्य संयम बरतने का आह्वान किया

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने बुधवार को भारत और पाकिस्तान से 'अधिकतम सैन्य संयम' बरतने का आह्वान करते हुए कहा कि दुनिया दोनों पड़ोसी देशों के बीच सैन्य टकराव नहीं झेल सकती। गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन

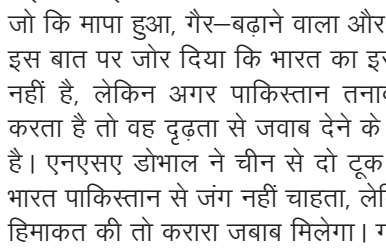

दुजारिक ने कहा, ''महासचिव नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा के उस पार भारतीय सैन्य अभियानों को लेकर बहुत चिंतित हैं। उन्होंने दोनों देशों से अधिकतम सैन्य संयम बरतने का आह्वान किया है। दुनिया भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव नहीं झेल सकती।'' उनकी यह टिप्पणी भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में उन आतंकवादी ढांचे पर हमला करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाए जाने के कुछ घंटों बाद आई है, जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की साजिश रची गई और उन्हें अमलीजामा पहनाया गया। भारत ने कुल मिलाकर नौ ठिकानों को निशाना बनाया। ये हमले जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों की हत्या किए जाने की पृष्ठभूमि में किए गए।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गेहूं के भंडारण ड्रम में फंसीं छह लड़कियां, मौत

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गेहूं के भंडारण के एक ड्रम में चार बहनों सहित छह नाबालिग लड़कियां गलती से फंस गई और इसके बाद दम घुटने के कारण उन सभी की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार का यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दो से आठ साल की ये लड़कियां लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर सरगोधा जिले के कोट मोमिन की निवासी थीं। पुलिस के अनुसार, खेलते समय लड़कियां अपने घर में रखे गेहूं भंडारण ड्रम में घुस गईं और ढक्कन गलती से बंद हो जाने के कारण वे उसमें फंस गईं, जिससे दम घुटने से उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना के समय परिवार के वयस्क लोग खेतों में गए हुए थे। 'बच्चे मदद के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन उन्हें बचाने के लिए कोई नहीं पहुंच पाया।

ऑपरेशन 'सिंदूर' के तहत भारत ने दिया पाकिस्तान को जवाब, कर दी बड़ी स्ट्राइक

पहलगाम हमले का भारतीय सेना ने बदला लेते हुए मंगलवार–बुधवार की दरमियानी रात भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। भारत के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 'सिंदूर' नामक ऑपरेशन में भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर हमले किए। पीओके में रात के तकरीबन 2 बजे ये कंफर्मेशन आई। लेकिन सटीक समय बता पाना मुश्किल है कि कितने बजे ये नया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

ऑपरेशन सिंदूर घबराया पाकिस्तान, मरियम नवाज ने पंजाब प्रांत में घोषित की इमरजेंसी

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बुधवार (7 मई) को पीओके में भारतीय मिसाइल हमले के मद्देनजर आपातकाल घोषित कर दिया गया। आज भारत द्वारा पाकिस्तान और पीओके में आतंकी शिविरों को नष्ट करने के बाद सभी शैक्षणिक संस्थान भी बंद कर दिए गए हैं। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि पंजाब प्रांत और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के शहरों पर आधी रात के बाद किए गए भारतीय हमलों में कम से कम 26 लोग मारे गए और 46 घायल हो गए। पंजाब सरकार के एक बयान में कहा कि पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने पूरे प्रांत में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। पंजाब पुलिस समेत सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पंजाब के अस्पतालों में

सभी डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। बयान में कहा गया है कि सभी कर्मचारियों को तुरंत ड्यूटी पर आने का आदेश दिया गया है और पंजाब के सभी जिलों में जिला प्रशासन को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है। बयान में कहा गया है कि सिविल डिफेंस समेत सभी संबंधित संस्थानों के अधिकारियों और कर्मियों को तलब किया गया है। बयान में कहा गया है कि बुधवार को शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। भारतीय हमले के बाद सभी उड़ानों के लिए बंद किया गया पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र अब आंशिक रूप से खोला जा रहा है। भारतीय सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल (मंगलवार) को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की, जिसने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के प्रतिशोध में पाकिस्तान में नौ आतंकवादी बुनियादी ढाँचे को नष्ट कर दिया। मुंबई के एक पर्यटक ने भावुक प्रतिक्रिया देते हुए मीडिया से कहा कि मैं पहलगाम हमले में अपनी जान गंवाने वालों को सलाम करता हूँ, लेकिन मुझे भारतीय सशस्त्र बलों पर भरोसा है। मुझे पता है कि उन्हें जो कुछ भी करने की ज़रूरत है, वे करेंगे – मुझे देश चलाने वालों पर पूरा भरोसा है।

इस्राइल ने एक बार फिर गाजा में तेज किए हमले, स्कूल पर की बमबारी; महिलाओं–बच्चों सहित 48 की मौत

गाजा। इस्राइल और हमास के बीच चल रही जंग अब अपने 20वें महीने में पहुंच गई है, लेकिन हालात सुधरने की जगह और भी भयावह होते जा रहे हैं। जहां मंगलवार रात एक बार फिर इस्राइल ने गाजा में जोरदार हमला किया। इस हवाई हमलों में कम से कम 48 लोगों की मौत हो गई, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी अस्पताल अधिकारियों ने बुधवार को दी।

गाजा के एक स्कूल पर हुआ हमला

इस्राइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष के बीच इस्राइल का ये हवाई हमला गाजा के बीचों–बीच बुरेज शरणार्थी कैंप में एक स्कूल पर हुआ, जहां सैकड़ों विस्थापित लोग शरण लिए हुए थे। इस हमले में 27 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 9 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। यह स्कूल युद्ध शुरू होने के बाद से पांचवीं बार निशाना बना है। हालांकि इस्राइली सेना ने इन हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन उसका कहना है कि हमास नागरिक इमारतों और स्कूलों से ऑपरेट करता है, इसलिए वह जिम्मेदार है।

इस्राइल की नई योजना, गाजा के लिए घातक

बता दें कि बीते दिनों इस्राइल ने गाजा पर अपना सैन्य अभियान और तेज करने की योजना को मंजूरी दी है। इस योजना में गाजा के बड़े हिस्से पर कब्जा, लोगों को जबरन दक्षिण गाजा की ओर भेजना, और सहायता वितरण पर नियंत्रण हासिल करना शामिल है। इसमें निजी सुरक्षा एजेंसियों की मदद लेने की बात भी शामिल है। इस योजना को लागू करने के लिए इस्राइल हजारों रिजर्व सैनिकों को बुला रहा है। हालांकि, यह योजना अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस महीने के अंत में क्षेत्रीय दौरे के बाद ही लागू की जाएगी।

अगर योजना लागू हुआ तो क्या होगा?

अब सवाल ये खड़ा हो रहा है कि अगर इस्राइल की योजना लागू हो जाती है, तो क्या होगा। गौरतलब है कि अगर यह योजना आगे बढ़ती है, तो हिंसा और मौतों की संख्या और बढ़ सकती है। साथ ही गाजा पर इस्राइली कब्जा स्थायी रूप से हो सकता है, जिससे यह सवाल उठता है कि वहां प्रशासन कैसे चलाया जाएगा, खासकर तब, जब ट्रंप की गाजा पर कब्जे की योजना को इस्राइल अपनाने पर विचार कर रहा है।

ट्रंप के बयान से इस्राइल में हलचल

देखा जाए तो हमास और इस्राइल के बीच जारी युद्ध अब और भी पेचीदा होता जा रहा है। जहां अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान ने इस्राइल में हलचल मचा दी है। ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि गाजा में अभी बचे हुए 59 बंधकों में से सिर्फ 21 ही जीवित हैं। जबकि इस्राइली सरकार का कहना है कि यह संख्या 24 है। एक इस्राइली अधिकारी ने बताया कि 3 बंधकों को लेकर गंभीर चिंता है, क्योंकि उनका कोई पता नहीं चल रहा, लेकिन जब तक कोई सबूत नहीं मिलता, उन्हें जिंदा ही माना जाएगा।

गाजा में मानवीय संकट गहराया

इस्राइल ने मार्च में हमास के साथ युद्धविराम खत्म कर दिया, जिसके बाद गाजा में मदद पहुंचाना भी रोक दिया गया। इससे वहां खाने, पानी और ईंधन की भारी किल्लत हो गई है। यह 19 महीने के युद्ध का अब तक का सबसे गंभीर मानवीय संकट बन गया है।

पता था कुछ बड़ा होने वाला है... पाकिस्तान में हुई भारतीय एयर स्ट्राइक को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का आया रिएक्शन

रिपोर्ट के अनुसार, राफेल जेट विमानों ने बुधवार (7 मई) को पाकिस्तान में नौ आतंकी शिविरों पर 'स्कैल्प मिसाइलों' से हमला किया। सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना द्वारा आतंकवादियों के सभी नौ ठिकानों पर किए गए हमले में हैमर बमों का भी इस्तेमाल किया गया। सेना ने भारत में आतंकवादी गतिविधियों को प्रायोजित

करने में उनकी भूमिका के लिए जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाने के इरादे से हमलों के लिए स्थान का चयन किया था। सूत्रों के अनुसार, भारतीय सेना द्वारा सफलतापूर्वक मारे गए नौ लक्ष्यों में से चार पाकिस्तान में और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हैं। पाकिस्तान में लक्ष्यों में बहावलपुर, मुरीदके और सियालकोट शामिल हैं। आतंकी शिविरों को निशाना बनाने के लिए विशेष सटीक हथियारों का इस्तेमाल किया गया। तीनों सेवाओं ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन और संपत्तियों और सैनिकों को जुटाया।

यहाँ 9 आतंकी शिविरों की सूची दी गई है–
कोटली
मुजफ्फराबाद (2 स्थान)
गुलपुर
भिंबर
बहावलपुर
मुर्डिके
चक अमरू
सियालकोट

सैन्य हमले के तुरंत बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह लड़ाई 'बहुत जल्द' समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''यह शर्मनाक है।'' उन्होंने आगे कहा, ''हमने इसके बारे में तब सुना जब हम ओवल (अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय) जा रहे थे। मुझे लगता है कि लोगों को पता था कि अतीत में जो कुछ हुआ है उसके आधार पर कुछ होने वाला है।'' ट्रंप ने कहा, ''वे लंबे समय से लड़ रहे हैं। वास्तव में, अगर आप वास्तव में इसके बारे में सोचें तो वे कई दशकों और सदियों से लड़ रहे हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या उनके पास दोनों देशों के लिए कोई संदेश है, उन्होंने कहा, ''नहीं, मैं बस उम्मीद करता हूं कि यह बहुत जल्दी खत्म हो जाए।'' पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिसमें जैश–ए–मोहम्मद आतंकी संगठन का गढ़ बहावलपुर भी शामिल है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सैन्य हमले ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए। भारत की ओर से यह कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के दो सप्ताह बाद हुई है। रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा, ''ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी।'' बयान में कहा गया, ''हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुस्साहस के मूड में पाकिस्तान

डीजी आईएसपीआर ने कहा– सैन्य ताकत को लेकर गलतफहमी जल्द दूर हो जाएगी

पहलगाम हमले के 15 दिन बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक कर दी है। भारत ने ये बड़ी एयरस्ट्राइक बीती रात डेढ़ बजे की थी। भारत ने इसे ऑपरेशन सिंदूर का नाम दिया। भारत के ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान की तरफ से सुरक्षा बैठक बुलाई गई। महत्वपूर्ण सुरक्षा बैठक के बाद पाकिस्तान ने कहा कि सशस्त्र बलों को उचित कार्रवाई करने के लिए अधिकृत किया गया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोपहर 3.30 बजे राष्ट्र को संबोधित करेंगे, जिसमें देश और पीओके में नौ स्थानों पर आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया था। पाकिस्तानी सेना का कहना है कि भारत ने उनकी संप्रभुता का उल्लंघन किया है और इसके जवाब में उन्होंने आत्मरक्षा में कार्रवाई की है। हालांकि भारत की ओर से इस ऑपरेशन पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। डीजी आईएसपीआर जनरल चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान भारत की आक्रामकता का पूरी ताकत से जवाब दे रहा है और देता रहेगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर भारत को पाकिस्तान की सैन्य ताकत को लेकर कोई गलतफहमी है तो वह जल्द दूर हो जाएगी। चौधरी ने यह भी कहा कि पाक सैनिक मौत से नहीं डरते और जब भी समय आएगा वे भारत को जवाब देंगे।

पूजा करने पर

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।